www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
24 सितम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 138 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

विपक्ष ने कहा- एसआईआर पर चुनाव आयोग में भारी घमासान

आयोग ने कहा- सभी की सहमति से लिया फैसला, मतभेद नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद चुनाव आयोग के भीतर फैसलों को लेकर चल रहे कथित मतभेदों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एसआईआर प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा अन्य दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के बीच आंतरिक असहमति रही है। इस खुलासे के बाद राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि, चुनाव आयोग के आधिकारिक सूत्रों ने इन सभी मतभेदों की खबरों का पूरी तरह से खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि आयोग के सभी फैसले आपसी सहमति और सर्वसम्मति से ही लिए गए हैं, जिसमें सभी सदस्यों की पूर्ण मंजूरी शामिल रही है।

सूत्रों के हवाले से यह भी सामने आया था कि आयुक्तों ने नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने, चुनावी डेटा की सुरक्षा, आईटी सिस्टम और फॉर्म-6 में बदलाव जैसे विभिन्न मुद्दों पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई थीं। पश्चिम बंगाल में लंबित अपीलों और सॉफ्टवेयर से जुड़ी समस्याओं पर भी सवाल उठाए जाने की बात कही गई थी। इन आंतरिक चर्चाओं और रिपोर्टों के आधार पर विपक्षी दलों ने आयोग को घेरना शुरू कर दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस स्थिति को लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि संस्था के सदस्यों को निष्पक्ष रूप से काम करने की स्वतंत्रता नहीं है, तो यह गंभीर विषय है। वहीं, राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी मतदाता सूची के प्रबंधन और डिजिटल सिस्टम के केंद्रीय नियंत्रण को लेकर सवाल उठाए हैं, जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में बहस और अधिक तेज हो गई है।

इन तमाम विवादों और चर्चाओं के बीच, चुनाव आयोग ने 2023 के कानून की धारा 18 का हवाला देते हुए अपने कामकाज की पारदर्शिता को रेखांकित किया है। आयोग का कहना है कि जहां तक संभव हो कार्य सर्वसम्मति से किया जाता है और बैठकों के दौरान अलग-अलग राय सामने आना तथा अंतिम निर्णय लिया जाना दो अलग बातें हैं। आयोग ने दोहराया है कि एसआईआर से जुड़े सभी निर्णय सभी सदस्यों की सहमति से ही तय किए गए हैं। एक तरफ जहां आधिकारिक सूत्रों ने किसी भी तरह के मतभेद से साफ इनकार किया है, वहीं दूसरी तरफ विभिन्न मुद्दों पर सामने आ रही आपत्तियों की चर्चाओं ने संस्था की कार्यशैली को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है, जिस पर राजनीतिक दलों की पैनी नजर बनी हुई है।

एसआईआर पर खुलासे से बवाल, प्रशांत भूषण बोले- ज्ञानेश कुमार को हटाएं

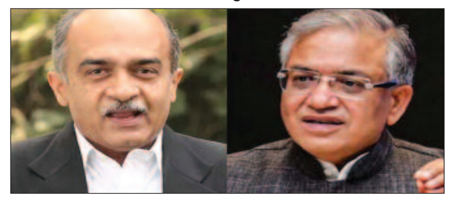

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दावा किया गया है कि चुनाव आयोग के भीतर ही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग के तीन सदस्यों के पैनल में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी शामिल हैं। इनमें से दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले दस महीनों के दौरान कम से कम चौदह बार इस प्रक्रिया और नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम हटाने तथा बहाल करने जैसे महत्वपूर्ण मसलों पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी। इस आंतरिक असहमति के सार्वजनिक होने के बाद से ही विपक्षी दलों के साथ-साथ कानूनी हलकों में भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस खुलासे के बाद वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने सोशल मीडिया के माध्यम से तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य सदस्यों के विरोध के बावजूद मनमाने और गैर-कानूनी तरीके से निर्देश जारी किए, जिसके कारण भारी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए हैं। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे गंभीर प्रकरण पर सर्वोच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल पद से हटाते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। यह विवाद ऐसे समय में तूल पकड़ रहा है जब विभिन्न राज्यों में चुनावी सरगर्मियों के बीच एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई है कि बड़ी संख्या में जारी किए गए नोटिस मशीन जनित प्रतीत होते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह गहराता जा रहा है।

दिल्ली में जुटे देशभर के उलेमा, मस्जिद गिराने और धार्मिक आजादी के मुद्दे पर करेंगे मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की मौजूदा स्थिति, मस्जिद गिराने, संविधान के उल्लंघन और धार्मिक स्वतंत्रता पर मंडराते खतरों को देखते हुए जमीयत उलमा-ए-हिंद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक आपात बैठक बुलाई है। बुधवार को दिल्ली में जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में बैठक हो रही है, देश के तमाम मौलाना और जमीयत से जुड़े हुए लोग शिरकत कर रहे हैं। बैठक के मुख्य एजेंडे में प्रशासन और न्यायपालिका के कुछ हालिया फैसलों और कदमों के संदर्भ में शरीयत के मामलों में बढ़ते हस्तक्षेप का मुद्दा प्रमुखता से शामिल है। इसके साथ ही देश में धार्मिक स्वतंत्रता के संरक्षण, मस्जिदों के विध्वंस और इस्लामी मदरसों के सामने उत्पन्न चुनौतियों की समीक्षा की जाएगी। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने साफ किया है कि संविधान की सर्वोच्चता, कानून का शासन, धार्मिक स्वतंत्रता और सभी नागरिकों के समान अधिकारों का संरक्षण ही देश की एकता और अखंडता की मूल बुनियाद है। संगठन के मुताबिक वर्तमान परिस्थितियां बहुत ही चिंताजनक हैं और इन पर गंभीर मंथन करना जरुरी है। कार्यकारिणी की इस बैठक में इन तमाम मुद्दों पर सामूहिक रूप से विचार-विमर्श के बाद आगे की रणनीति और ठोस कार्ययोजना के संबंध में बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

मणिपुर में 2.1 किलोग्राम 'याबा' टैबलेट जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। सुरक्षा बलों के एक संयुक्त अभियान में मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले से 2.1 किलोग्राम कृत्रिम मादक पदार्थ 'याबा' जब्त करने के साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि राज्य पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम ने मंगलवार को मंत्रीपुखरी में बस के एक यात्री को रोका और 20,000 'याबा' गोलियां जब्त कीं जिनका कुल वजन करीब 2.1 किलोग्राम है। अधिकारी ने बताया कि थाई में 'याबा' का अर्थ 'उन्मादी प्रदान करने वाली दवा है। इसमें कैफीन और मेथामफेटामीन होता है, जो 'नियंत्रित पदार्थ अधिनियम' के तहत 'अनुसूची दो' का पदार्थ है। एक अन्य अभियान में राज्य पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने काकचिंग जिले के वाइखोंग पुलिस थाने के अंतर्गत लमजाओ मयाई लीकाई इलाके से प्रतिबंधित 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी' के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा है। अधिकारी ने बताया कि उसकी पहचान मैबम गुनामणि के तौर पर हुई है।

17 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज सहमा

-कॉलेज की प्रिंसिपल ने आनलाइन क्लासेस कीं शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय एक नाबालिग किशोरी के साथ हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की खौफनाक घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध किया है। इस दरिंदगी ने फिर महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। दिल दहला देने वाली घटना के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर विमेन (एलएसआर) ने अपनी नियमित कक्षाएं रद्द की और बुधवार की सभी शैक्षणिक गतिविधियों को ऑनलाइन मोड पर स्थानांतरित कर दिया। उल्लेखनीय है कि लेडी श्रीराम कॉलेज घटना स्थल से महज 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कॉलेज की प्रिंसिपल कनिका के. आहूजा ने बताया कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलने के बाद ही उन्होंने कक्षाएं रद्द करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि उनके छात्रों की सुरक्षा और भलाई उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण है। प्रिंसिपल ने अपने फैकल्टी मेंटर्स और कॉलेज काउंसलर को निर्देश दिया है कि वे किसी भी तरह की जरूरत पड़ने पर छात्रों की मदद के लिए उपलब्ध रहें।

चक्रवात अर्नब का पूर्वी तट पर भीषण खतरा : आंध्र, ओडिशा में हाई अलर्ट, स्कूल बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव अब शक्तिशाली चक्रवाती तूफान अर्नब में बदल गया है, जो भारत के पूर्वी तटीय इलाकों की ओर तेजी से आ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवात अर्नब के 23 सितंबर की शाम 5 बजे से 24 सितंबर की सुबह 5 बजे के बीच तट से टकराने की प्रबल आशंका है। संभावना है कि यह 23 सितंबर की आधी रात से पहले विशाखापत्तनम और गोपालपुर के बीच उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तट को पार करेगा। इस भीषण खतरे को देखकर ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है और राष्ट्रीय व राज्य आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ/एसडीआरएफ) की टीमें तटीय क्षेत्रों में तैनात कर दी गई हैं। चक्रवात का असर केवल ओडिशा-आंध्र तट तक सीमित नहीं रहेगा। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के तटीय ज़िलों में भी भारी बारिश और तेज़ हवाओं का अलर्ट जारी किया है, जहां 25 सितंबर तक खराब मौसम की चेतावनी दी गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। बिहार में भी 23 से 28 सितंबर के बीच मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, जिसमें कई इलाकों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं चलेंगी।

दिल्ली में धार्मिक टिप्पणी विवादः अदालत ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े एक गंभीर विवाद में दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। यह मामला एक छात्र-कार्यकर्ता और उनके पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग से जुड़ा है। भाजपा से जुड़ी अधिवक्ता अमिता सचदेवा ने आरोप लगाया है कि इन दोनों ने सोशल मीडिया पर जानबूझकर ऐसा कंटेंट पोस्ट किया है, जिसमें हिंदू देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक और आपत्तिजनक बातें कही गई हैं, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

दिल्ली की अदालत ने दिल्ली पुलिस को संवेदनशील मामले में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा, यानी कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकन रिपोर्ट) पेश करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता सचदेवा ने पहले दिल्ली पुलिस के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उनका कहना था कि पुलिस की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसकारण उन्होंने न्याय के लिए अदालत का रुख किया और एफआईआर दर्ज करने की याचिका दाखिल की। मुख्य महानगर दंडाधिकारी (सीजेएम) मृदुल गुप्ता की अदालत में याचिका पर सुनवाई हुई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखक दिल्ली पुलिस को न केवल अपना जवाब दाखिल करने को कहा, बल्कि यह भी निर्देश दिया कि वह अपनी कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस की रिपोर्ट का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद ही यह अंतिम फैसला लिया जाएगा कि एफआईआर दर्ज की जाए या नहीं।

राम मंदिर दान चोरी केस में 7000 पन्ने की चार्जशीट दाखिल

चंपत राय और अनिल मिश्रा का नाम शामिल नहीं

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर आठों आरोपियों के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट में 7 हजार पन्नों से अधिक की विस्तृत चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। विवेचक बुधवार सुबह बड़े-बड़े बक्सों में चार्जशीट लेकर कोर्ट पहुंचे, जिसमें आरोप पत्र के साथ-साथ बैंक स्टेटमेंट और बैंक की जमा पर्चियां भी मौजूद थीं। इस चार्जशीट में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा का नाम न होने पर मौके पर मौजूद अधिवक्ताओं ने गहरी नाराजगी और असंतोष जताया है।

दाखिल की गई इस चार्जशीट में कुल 173 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और इसमें 105 बार चोरी होने का जिक्र किया गया है। इसके अलावा, रिकॉर्ड की गई जांच में 803 चीजों का रिकॉर्ड पूरी तरह सही पाया गया है, जबकि 86 कीमती चीजों की रसीद नहीं मिल सकी है। पुलिस द्वारा आरोपियों के पास से कार, गहने और 79.85 लाख रुपये नकद बरामदगी का भी चार्जशीट में विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में हुई पिछली सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को जानकारी दी थी कि एसआईटी इस मामले में आरोपपत्र दाखिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने मीडिया और सोशल मीडिया पर मूल्यवान चढ़ावे से संबंधित लगाए गए सभी आरोपों का गहन सत्यापन किया था। एसआईटी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र के गिनती कक्ष के सीसीटीवी फुटेज और अन्य डिजिटल आंकड़ों से यह स्पष्ट हुआ कि गिनती प्रक्रिया में शामिल कुछ लोगों की मिलीभगत से कक्ष से नकदी को अनधिकृत रूप से निकालने या छिपाने के 105 मामले सामने आए थे।

चार्जशीट और एसआईटी की रिपोर्ट में कुल आठ आरोपियों की पहचान की गई है, तथा उनके बैंक खातों में जमा उस रकम का पूरा ब्यौरा दिया गया है जिसका कोई स्पष्ट स्रोत नहीं मिल सका है। इसके साथ ही, उन सभी चल और अचल संपत्तियों की जानकारी भी सार्वजनिक की गई है जिनमें चोरी का अवैध पैसा लगाया गया था। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है और अधिवक्ताओं द्वारा नाम शामिल न किए जाने पर लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

जिसकी विरोधी रहीं सायोनी अब उसी भाजपा के लिए मांगेंगी वोट

बंगाल उपचुनावों में नए समीकरण बनते दिख रहे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक दिलचस्प मोड़ सामने आया है, जहां अभिनेत्री और तृणमूल कांग्रेस की मुखर आलोचक सायोनी घोष अब भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रचार करती दिख सकती हैं। नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में भाजपा का समर्थन करने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अरूप रॉय की डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने भी इन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिससे मुकाबला और भी त्रिकोणीय हो गया है। फिलहाल, एनसीपीआई ने अपने नेताओं के नामों का ऐलान नहीं किया है, जो भाजपा के लिए प्रचार करेंगे।

एनसीपीआई, जिसमें ममता बनर्जी से अलग हुए 20 बागी सांसद शामिल हैं, ने खुद को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) का दूसरा सबसे बड़ा भागीदार बताया है। पार्टी ने कहा है कि चूंकि उनके पास कोई उम्मीदवार नहीं है, इसलिए उन्होंने भाजपा के समर्थन में प्रचार करने का फैसला किया है। एनसीपीआई का दावा है कि एनडीए में वे भाजपा के बाद सबसे बड़े दल हैं। पार्टी अध्यक्ष ज्योति प्रकाश चटर्जी ने इस फैसले को राज्य के भविष्य से जोड़ा। उन्होंने कहा, एनसीपीआई एनडीए में भाजपा के बाद सबसे बड़ा साझेदार है। जिस तरह से हमारे मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री राज्य के लिए काम कर रहे हैं, मुझे लगता है कि लंबे समय से चली आ रही टकराव की स्थिति से अब राज्य के लोगों को छुटकारा मिलना चाहिए। अब टकराव का समय नहीं है, बल्कि साथ मिलकर काम करने का समय है। उन्होंने आने वाले समय में एक बड़ी बैठक की भी घोषणा की, जिसमें केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के शामिल होने की बात कही गई। हालांकि, भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि इस समर्थन का मतलब किसी चुनावी गठबंधन से नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता सायंतन बसु ने कहा, यह अच्छी बात है कि एनसीपीआई ने भाजपा के लिए प्रचार करने का फैसला किया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बंगाल में भाजपा और एनसीपीआई का कोई चुनावी गठबंधन हो सकता है या भविष्य में किसी भी तरह से सीटों का बंटवारा हो सकता है। दूसरी ओर, डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस ने इन उपचुनावों को ममता बनर्जी के खिलाफ सीधी लड़ाई माना है। पार्टी नेता संदीपन साहा ने कहा कि यह चुनाव साबित कर देगा कि असली तृणमूल वे ही हैं, क्योंकि ममता गुट की उम्मीदवार मुकाबले से पीछे हट गई हैं। इस बागी गुट ने नंदीग्राम से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस भी राज्य में तृणमूल कांग्रेस में टूट का फायदा उठाने की कोशिश में है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि उनकी पार्टी को अब तृणमूल की जगह लेनी चाहिए और भाजपा विरोधी सभी मतदाताओं, खासकर अल्पसंख्यक मतदाताओं की स्वाभाविक पसंद के रूप में उभरना चाहिए।

लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा और राज्य का दर्जा दिलाने वांगचुक की पदयात्रा

कहा-हमने जब भी हक, संस्कृति संरक्षण की मांग की तो अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक बुधवार को लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को दोहराने के लिए 20 किमी की पदयात्रा करने वाले हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर करके इसकी जानकारी दी थी। ये पदयात्रा लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा और राज्य का दर्जा दिलाने की मांग में की जा रही है। वांगचुक ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह कहते हैं इस महीने को शहीदों के महीने के रूप में मना रहे हैं। इसके लिए वह श्यामवैली में इकट्ठे हुए हैं। ये वही वैली है जो बटालिक के पास है, जिसमें कारगिल युद्ध में बहुत से जवानों ने जानें दी और लोगों ने बिना वर्दी के भारत की रक्षा की।

उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जब भी लोकतंत्र की मांग की पर्यावरण, हक और संस्कृति के संरक्षण की मांग की तो हम पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं! पिछले साल 24 सितंबर को गोलियां चलाई गईं जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी उन शहीदों को याद करते हुए हम एपेक्स बॉडी में हम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने आए हैं। सरकार ने जो ज्यूडिशियल इंक्वायरी बैठाई है उसका जल्द से जल्द नतीजा आना चाहिए, साथ ही जो शहीद हुए हैं उन लोगों को सिर्फ 15-15 लाख के मुआवजे की बात कही गई है जो बहुत ही कम है और एक तरह का अपमान है।

हम सभी लोगों की सरकार से अपील है कि जैसे देश के सभी हिस्सों में हो रहा है वैसा ही हमारे लद्दाख के शहीदों को भी एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए। वांगचुक ने ये पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- लद्दाख देश को बुला रहा है। लद्दाख के लोग हमेशा देश के साथ खड़े रहे हैं और अब समय आ गया है कि देश लद्दाख के साथ खड़ा हो। 23 सितंबर को लेह की ओर एक ऐतिहासिक और शांतिपूर्ण पदयात्रा होगी। 24 सितंबर को एलबीए की ओर से उन 5 लोगों की याद में सर्व-धर्म प्रार्थना सभा आयोजित की जाएगी, जिनकी पिछले साल अंधाधुंध गोलीबारी में मौत हो गई थी। हम आपके साथ और कई पत्रकारों व यूट्यूब के साथ पदयात्रा करने के लिए उत्सुक हैं। हमें उम्मीद है कि वे हमारा संदेश देश तक पहुंचाएंगे।

यूसीसी कोई कानूनी सुधार नहीं, विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का हथियार

–कांग्रेस का आरोप– केंद्र सरकार ने विधि आयोग के निष्कर्षों को कर दिया नजरअंदाज

नई दिल्ली,, एजेंसी। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार और बीजेपी के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कोई कानूनी सुधार नहीं है, बल्कि ''विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार'' और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए गठित राज्य सरकार की समिति से बंबई हाईकोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश के इस्तीफे और समिति के कामकाज को लेकर उठाए गए सवालों का हवाला देते हुए कहा कि इससे कई ''बड़े सवाल'' खड़े होते हैं। उन्होंने एक बयान में सवाल किया कि क्या संविधान सभा ने कभी ऐसी स्थिति की कल्पना की थी, जिसमें हर राज्य अपनी अलग समान नागरिक संहिता बनाए? रमेश ने कहा कि इसका जवाब है बिल्कुल नहीं।''

रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि 17 जून 2016 को मोदी सरकार ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे को विस्तृत अध्ययन के लिए भारत के 21वें विधि आयोग के पास भेजा था। उन्होंने कहा कि व्यापक अध्ययन के बाद आयोग ने 31 अगस्त 2018 को 'पारिवारिक कानून में सुधार' पर अपना परामर्श पत्र जारी किया था। उन्होंने कहा कि परामर्श पत्र के पृष्ठ सात के अनुच्छेद 1.15 में आयोग का निष्कर्ष स्पष्ट था कि ''इस स्तर पर समान नागरिक संहिता बनाना न तो जरुरी है और न ही वांछनीय। रमेश ने कहा कि इसके बजाय विधि आयोग ने भारत की कानूनी और सांस्कृतिक विविधता को बनाए रखते हुए अलग-अलग पारिवारिक कानूनों में मौजूद भेदभाव को दूर करने की सिफारिश की थी।

कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उसी विधि आयोग के निष्कर्षों को नजरअंदाज कर दिया, जिसे उसने इस मुद्दे की जांच का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में बीजेपी शासित कई राज्यों ने अपनी-अपनी समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम उठाए हैं। रमेश ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने घोषणा की है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए के बाकी दलों की आवाज दबा दी गई है और बीजेपी उन्हें ''चुप करा रही है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के लिए समान नागरिक संहिता ''कोई ऐसा कानूनी सुधार नहीं है, जिसे पूरी तरह सोच-विचार के बाद, ज्यादा से ज्यादा व्यापक विचार-विमर्श और सार्वजनिक बहस के जरिए और अधिकतम संभव सहमति के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि असल में यह विभाजन, व्यवधान और ध्यान भटकाने का एक हथियार है, लोगों को परेशान करने और डराने का जरिया है, पूर्वाग्रहों को भड़काने और समाज को स्थायी ध्रुवीकरण की स्थिति में बनाए रखने का एक साधन है।

संपादकीय

नए प्रभारी की चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने तीन राज्यों में नए प्रभारी की नियुक्तियां कर दी है जिनमें उत्तराखंड भी शामिल है। उत्तराखंड में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं जिसकी तैयारी के तहत बड़ी जिम्मेदारी ने प्रभारी राम माधव राज्य की आवश्यकताओं एवं जिम्मेदारियां के निर्वहन में कितने खरे उतरते हैं इसकी परीक्षा भी चुनाव परिणाम के तौर पर देखने को मिलेंगी। संगठन की दृष्टि से यह एक सामान्य प्रक्रिया लग सकती है। क्योंकि उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव अब चंद्र महीना में होने हैं, ऐसे समय में नए प्रभारी की नियुक्ति इस बात का संकेत है कि भाजपा चुनावी रणनीति को धार देने के लिए संगठनात्मक स्तर पर नए सिरे से सक्रियता बढ़ाना चाहती है। उत्तराखंड की राजनीति हमेशा से चुनौतियों और संभावनाओं का मिश्रण रही है। यहां सत्ता में रहना जितना कठिन है, उतना ही कठिन लगातार जनता का विश्वास बनाए रखना भी है। भाजपा ने राज्य में लगातार दो विधानसभा चुनाव जीतकर इतिहास बनाया है, लेकिन तीसरी बार सत्ता में वापसी का लक्ष्य अपने आप में बड़ी चुनौती है। राजनीतिक इतिहास बताता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली किसी भी पार्टी को जनता की बढ़ती अपेक्षाओं और सत्ता विरोधी भावनाओं का सामना करना पड़ता है। नए प्रभारी के सामने सबसे बड़ी चुनौती संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की होगी। सरकार की योजनाएं और उपलब्धियां तभी राजनीतिक लाभ में बदलती हैं, जब संगठन उन्हें प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाए। यदि कार्यकर्ता स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से दूर महसूस करते हैं तो उसका असर चुनावी परिणामों पर भी दिखाई देता है। इसलिए नए प्रभारी को केवल बैठकों तक सीमित रहने के बजाय कार्यकर्ताओं की भावनाओं और अपेक्षाओं को समझना होगा। उत्तराखंड में बेरोजगारी, पलायन, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत समस्याएं लंबे समय से चर्चा का विषय रही हैं। विपक्ष इन्हीं मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास करेगा। भाजपा के लिए चुनौती यह होगी कि वह केवल राजनीतिक जवाब देने के बजाय जनता को यह विश्वास दिला सके कि समस्याओं के समाधान के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। आज का मतदाता केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीन पर परिणाम देखना चाहता है। नवनियुक्त राज्य प्रभारी राम माधव के लिए संभावित उम्मीदवारों को टिकट वितरण भी एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। चुनाव नजदीक आते ही दावेदारों की संख्या बढ़ती है और असंतोष भी सामने आने लगता है। नए प्रभारी को संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखते हुए सभी पक्षों में संतुलन स्थापित करना होगा। यदि टिकट वितरण में असंतोष बढ़ता है तो उसका सीधा असर चुनावी समीकरणों पर पड़ सकता है। उत्तराखंड में पहाड़ और मैदान की समस्याएं अलग-अलग हैं। सीमांत क्षेत्रों की अपेक्षाएं अलग हैं तो तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों की चुनौतियां अलग। ऐसे में एक ऐसी रणनीति तैयार करना, जो पूरे राज्य को साथ लेकर चले, किसी भी प्रभारी के लिए आसान कार्य नहीं होगा। इसके अलावा युवा मतदाताओं को जोड़ना भी भाजपा के लिए महत्वपूर्ण होगा। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के दौर में राजनीतिक संवाद की शैली बदल चुकी है। युवा वर्ग रोजगार, शिक्षा और अवसरों को लेकर अधिक सजग है। नए प्रभारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि पार्टी का संदेश केवल नारों तक सीमित न रहे, बल्कि युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों का उत्तर भी देता दिखाई दे। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता, जनता से संवाद और स्थानीय मुद्दों की समझ ही चुनावी जीत का आधार बनती है। नए प्रभारी के सामने यही सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी कि वे संगठन की ऊर्जा को बनाए रखें और उसे चुनावी तैयारी में परिवर्तित करें। अंतिम सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि संगठन जनता की अपेक्षाओं को कितनी गंभीरता से समझता है और उनके समाधान के लिए कितनी प्रभावी रणनीति अपनाता है। आने वाले महीनों में यही तय करेगा कि राम माधव को दी गई नई जिम्मेदारी राजनीतिक उपलब्धि में बदलती है या केवल एक संगठनात्मक बदलाव बनकर रह जाती है।

मतदाता सूची का पुनरीक्षणः सुधार जरूरी, लेकिन पारदर्शिता उससे भी जरूरी

सौरभ वार्ष्णेय

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर ने एक बार फिर देश के चुनावी तंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस प्रक्रिया के दौरान पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कई वरिष्ठ अधिकारियों समेत अनेक चर्चित लोगों को नोटिस दिए जाने की खबर सामने आई है। पहली नजर में यह खबर इसलिए चौंकाती है क्योंकि जब सार्वजनिक जीवन से जुड़े इतने प्रतिष्ठित लोगों के रिकॉर्ड में विसंगतियां मिल रही हैं, तो सामान्य नागरिकों के पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड की स्थिति को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए सबसे पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि एसआईआर नोटिस मिलना मतदाता सूची से नाम हट जाने के बराबर नहीं है। चुनाव अधिकारियों के अनुसार नोटिस उन मामलों में दिए जा रहे हैं जहां वर्तमान मतदाता विवरण को 2002 की पिछली मतदाता सूची से जोड़ा नहीं जा सका या इनुमेंशन फार्म में कुछ विसंगतियां पाई गईं। इसके बाद संबंधित मतदाता को दस्तावेजों के माध्यम से अपनी पात्रता और विवरण की पुष्टि करने का अवसर दिया जा रहा है।

यही अंतर इस पूरी प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। मतदाता सूची को साफ सुथरा, अद्यतन और त्रुटिरहित रखना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। मृत व्यक्तियों, स्थान बदल चुके मतदाताओं, दोहरे नामों या गलत प्रविष्टियों को हटाना और पात्र नागरिकों के नाम सुनिश्चित करना चुनाव की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार स्ढ्क्र का उद्देश्य ही मतदाता सूची की शुद्धता और अखंडता बनाए रखना है। दिल्ली के मामले में 2002 की मतदाता सूची को एक महत्वपूर्ण आधार बनाया गया है। चुनाव आयोग ने नागरिकों से पुरानी सूची में अपना या अपने माता-पिता का नाम और संबंधित विवरण देखने को कहा था। जिन लोगों का नाम 2002 की दिल्ली सूची में नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता का नाम है, उनके लिए भी अलग प्रक्रिया निर्धारित की गई है। दूसरे राज्यों से बाद में दिल्ली आकर बसे लोगों के लिए संबंधित राज्य की पिछली एसआईआर सूची के विवरण का प्रावधान रखा गया है। समस्या यहां से शुरू होती है कि दो दशक से भी अधिक पुराने रिकॉर्ड को वर्तमान नागरिक की पहचान और पात्रता से जोडा अपने आप में आसान काम नहीं है। वर्ष 2002 से अब तक लाखों लोगों के पते बदले हैं, परिवारों की संरचना बदली है, नामों की वर्तनी बदली है और अनेक परिवार एक शहर से दूसरे शहर चले गए हैं। पुराने रिकॉर्ड में नाम की छोटी सी वर्तनी भिन्नता भी आज की डिजिटल मिलान प्रक्रिया में मिसमैच बन सकती है।

इसीलिए 33.13 लाख लोगों का आंकड़ा अपने आप में न तो यह सिद्ध करता है कि इतने लोग अपात्र हैं और न ही यह कि इतने लोगों के रिकॉर्ड गलत हैं। यह संख्या मुख्यतः उन लोगों की है जिनके मामलों में आगे सत्यापन की जरूरत महसूस की गई है। रिपोर्टों के अनुसार लगभग 97 लाख मतदाता ड्राफ्ट सूची में हैं और 33.13 लाख मतदाताओं को विसंगतियों के आधार पर नोटिस के लिए चिन्हित किया गया है।

यहां चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी पारदर्शिता की है। किसी नागरिक को नोटिस दिया जाता है तो उसे यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि समस्या क्या है ? नाम का अंतर है, उम्र संबंधी विसंगति है, पते का सवाल है, पुराने रिकॉर्ड से मैपिंग नहीं हुई है या किसी अन्य कारण से सत्यापन आवश्यक है। हाल में इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका पहुंची है, जिसमें नोटिस पाने वाले मतदाताओं के नाम और नोटिस के कारणों को सार्वजनिक करने की मांग की गई है। यह मांग बताती है कि इतने बड़े पैमाने की चुनावी प्रक्रिया में केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है; नागरिकों को यह भी पता होना चाहिए कि उनके रिकॉर्ड पर सवाल क्यों उठा है। चुनाव प्रक्रिया में नोटिस देना जांच का साधन होना चाहिए, सजा का नहीं। किसी व्यक्ति के रिकॉर्ड में गलती मिलना और उसके मतदान के अधिकार पर अंतिम निर्णय लेना दो अलग-अलग चरण हैं। इसलिए प्रत्येक मतदाता को पर्याप्त समय, स्पष्ट सूचना, सुनवाई का अवसर और दस्तावेज प्रस्तुत करने की सरल व्यवस्था मिलनी चाहिए। इस मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जब प्रतिष्ठित और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के रिकॉर्ड भी सत्यापन के दायरे में आ रहे हैं, तो इससे एक सकारात्मक संदेश भी निकलता है कम से कम प्रक्रिया कागज पर किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। लेकिन यही बात आम नागरिक के लिए भी समान रूप से लागू होनी चाहिए। किसी मंत्री, पूर्व उपराष्ट्रपति, अधिकारी या आम मतदाता सभी के मामले में नियम एक जैसे होने चाहिए। चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता इसी समानता पर टिकी है।

बेटियों की उड़ान ने बदली सफलता की परिभाषा

- खेल के मैदान से नेतृत्व की कुर्सी तक महिलाओं का बढ़ता प्रभाव
- आत्मविश्वास और संघर्ष से महिलाएं लिख रही हैं नई कामयाबी की कहानी

कांतिलाल मांडोत

नागोया में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों के फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत ने भारतीय महिला क्रिकेट की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 79 रन की शानदार पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 48 और ऋचा घोष ने 49 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम 69 रन पर सिमट गई। दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए, जबकि शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लेकर भारत की जीत सुनिश्चित की। यह जीत केवल एक क्रिकेट मुकाबले की सफलता नहीं है, बल्कि उन बेटियों की मेहनत और क्षमता का प्रमाण है, जिन्होंने खेल के मैदान में अपनी पहचान मजबूत की है।

भारतीय महिला टीम की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बेटियों के प्रति समाज की सोच में आए बदलाव को समझा जा सकता है। कभी महिलाओं को कमजोर समझकर उनके अवसर सीमित कर दिए जाते थे, लेकिन आज वही महिलाएं देश के लिए पदक जीत रही हैं, रिकॉर्ड बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा ऊंचा कर रही हैं। क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने वाली महिला खिलाड़ी यह साबित कर रही हैं कि नेतृत्व किसी एक वर्ग या लिंग तक सीमित नहीं है। अनुशासन, प्रतिभा, मेहनत और जिम्मेदारी के आधार पर महिलाएं हर चुनौती का सामना कर सकती हैं।

महिलाओं की प्रगति केवल खेल तक सीमित नहीं है। शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, सेना, न्यायपालिका, उद्योग, राजनीति, कला, तकनीक और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। देश की अनेक महिलाएं बड़ी कंपनियों में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद तक पहुंचकर संस्थानों का नेतृत्व कर रही हैं। वे हजारों कर्मचारियों के कामकाज, करोड़ों रुपये के कारोबार और बड़े निर्णयों की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। यह बदलाव बताता है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन कर सकती हैं।

महिला नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके साथ जिम्मेदारी का भाव भी दिखाई देता है। परिवार संभालने से लेकर पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय लेने तक महिलाएं अनेक भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं। यही अनुभव उन्हें परिस्थितियों को समझने, धैर्य के साथ निर्णय लेने और कठिन समय में आगे बढ़ने की शक्ति देता है। क्रिकेट की पिच पर दबाव के बीच निर्णय लेने वाली खिलाड़ी हो या किसी बड़े संस्थान की जिम्मेदारी संभालने वाली अधिकारी, दोनों ही उदाहरण बताते हैं कि महिलाओं ने जवाबदेही को अपनी सफलता का महत्वपूर्ण आधार बनाया है।

आज बेटियां केवल अपने लिए आगे नहीं बढ़ रही हैं, बल्कि उनके कदमों से समाज की दूसरी बेटियों के लिए रास्ते खुल रहे हैं। किसी छोटे शहर या गांव की लड़की जब किसी महिला खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सफलता हासिल करते देखती है तो उसके भीतर भी आगे बढ़ने का विश्वास पैदा होता है। जब कोई महिला चिकित्सक, इंजीनियर, अधिकारी, वैज्ञानिक या कंपनी की प्रमुख बनती है तो दूसरी महिलाओं को यह संदेश मिलता है कि सीमाएं जन्म से तय नहीं होतीं। मेहनत, शिक्षा और अवसर के माध्यम से उन्हें बदला जा सकता है। महिलाओं की सफलता का असर परिवार और समाज दोनों पर पड़ता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिला अपने परिवार के निर्णयों में सक्रिय भूमिका निभाती है और अगली पीढ़ी को बेहतर शिक्षा तथा संस्कार देने में महत्वपूर्ण योगदान करती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला परिवार की मजबूती बढ़ाती है। वहीं सार्वजनिक जीवन में सक्रिय महिलाएं समाज की समस्याओं को नए दृष्टिकोण से सामने लाती हैं। इस प्रकार एक महिला की सफलता का प्रभाव केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके आसपास की अनेक महिलाओं के जीवन को प्रभावित करता है। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस परिवर्तन का स्पष्ट उदाहरण है। क्रिकेट, कुश्ती, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स और अन्य खेलों में भारतीय बेटियों ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर यह साबित किया है कि प्रतिभा अवसर की तलाश करती है और अवसर मिलने पर परिणाम सामने आता है। महिला खिलाड़ियों की सफलता ने अभिभावकों की सोच भी बदली है। अब बेटियों को केवल पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें खेल और करियर के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिलाओं की प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहलू आत्मनिर्भरता भी है। आज बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं का कारोबार शुरू कर रही हैं, रोजगार दे रही हैं और आर्थिक गतिविधियों में योगदान कर रही हैं। गांवों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं, जबकि शहरों में महिलाएं नई कंपनियां स्थापित कर रही हैं। तकनीक ने भी महिलाओं के लिए अवसरों का विस्तार किया है। घर से काम करने, ऑनलाइन कारोबार और डिजिटल माध्यमों ने अनेक महिलाओं को अपनी प्रतिभा को आय के साधन में बदलने का अवसर दिया है। हालांकि महिलाओं की उपलब्धियों को केवल पुरस्कारों और पदकों से नहीं मापा जा सकता। असली सफलता तब होगी जब हर बेटी को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपनी पसंद का क्षेत्र चुनने की स्वतंत्रता मिले। परिवारों और समाज को बेटियों की प्रतिभा पर भरोसा करना होगा। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन देना होगा और असफलता के डर से रोकने के बजाय संघर्ष से सीखने का अवसर देना होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत इसी बदलती तस्वीर का प्रतीक है। मैदान पर बल्ले और गेंद से इतिहास रचने वाली बेटियां समाज को यह संदेश दे रही हैं कि महिलाओं की क्षमता को सीमित नजर से देखने का समय पीछे छूट चुका है। आज महिला केवल किसी की बेटी, बहन, पत्नी या मां की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि वह स्वयं अपनी अलग पहचान बना रही है। वह नेतृत्व कर रही है, निर्णय ले रही है, जिम्मेदारी उठा रही है और सफलता के नए मानक स्थापित कर रही है। महिलाओं की यह यात्रा अभी जारी है। आज की सफल खिलाड़ी, अधिकारी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, उद्यमी और कंपनी प्रमुख आने वाली पीढ़ी की बेटियों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। एक बेटी की सफलता दूसरी बेटी के सपनों को मजबूत करती है। यही बदलाव समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है। बेटियां आगे बढ़ेंगी तो परिवार आगे बढ़ेगा, परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो देश की प्रगति को नई गति मिलेगी। महिला अबला नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास, प्रतिभा और मेहनत के बल पर सफलता की अग्रिम पंक्ति में खड़ी सबला शक्ति है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है।

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के साथ विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने सम्बंधों को सुधारने का लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर नागरिकों को सनातन संस्कृति के संस्कारों से परिचित कराने के प्रयास भी भारत द्वारा किए जा रहे हैं ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा सम्पन्न की है। इन देशों में आयोजित सर्व धर्म सभाओं में अन्य धर्मों के धमार्चार्यों की भी उत्साहपूर्वक भागीदारी रही है। उक्त यात्रा में न्यूयार्क में सार्वभौमिक एकात्मता, टोरंटो में विश्व से मित्रता एवं लंदन में अपनेपन के संदेश के साथ डा भागवत ने सामाजिक समरसता, सेवा, विविधता के बीच एकता और नागरिक कर्तव्य पर भी जोर दिया। प्रवासी भारतीयों से उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी निष्ठा निभाने का आह्वान किया। एक तरफ भारत पूरे विश्व में सामंजस्य स्थापित कर शांति स्थापित करना चाहता है तो दूसरी ओर अमेरिका विभिन्न देशों पर अपने एकतरफा नियम थोपना चाहता है, चाहे वह टैरिफ से सम्बंधित हों अथवा अन्य देशों पर सैंक्शन लगाने से सम्बंधित हों। वेनेंजुएल जैसे कुछ छोटे देशों पर तो अमेरिका ने एक तरह से अपना पूरा नियंत्रण ही स्थापित कर लिया है एवं वहां के तेल के कुओं से निकलने वाले कच्चे तेल पर अपना पूर्ण अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया है।

केवल अमेरिका ही क्यों, पूरे विश्व को ही आज भारत की सनातन संस्कृति के संस्कारों को जानने एवं उन पर अमल करने की आवश्यकता है। तभी, ईरान - अमेरिका, रूस - यूक्रेन एवं इजराईल - हम्मास जैसे युद्धों को टाला जा सकेगा और पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सकेगी।

(प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

तहसील परिसर में मिला युवक का शव

कोटद्वार में युवक का शव मिलने के बाद जांच करती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बुधवार सुबह तहसील परिसर में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक निर्माणाधीन अधिवक्ता चैंबर भवन के पीछे बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे बेस चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी में युवक के नशे का आदी होने की बात सामने आई है।

बुधवार सुबह करीब नौ बजे तहसील परिसर में सफाई कार्य कर रहे कर्मचारी की नजर निर्माणाधीन अधिवक्ता चैंबर भवन के पिछले हिस्से में पड़े युवक पर पड़ी। युवक को बेसुध देखकर उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को तत्काल बेस चिकित्सालय पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मृतक की पहचान लैंसडौन के ग्राम जूही तल्ली निवासी अजय ध्यानी (45) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि युवक नशे का आदी था और पूर्व में चोरी के एक मामले में जेल भी जा चुका है। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

लंबित विवेचनाओं व शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

थाने का निरीक्षण करती पुलिस क्षेत्राधिकारी अस्मिता ममगाईं

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : पुलिस क्षेत्राधिकारी अस्मिता ममगाईं ने कालागढ़ थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को साफ-सफाई, अनुशासन बनाए रखने के साथ ही लंबित मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सीओ ने थाना परिसर, कर्मचारी बैरक, भोजनालय, महिला हेल्प डेस्क और हवालात समेत विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद मालखाना, माल मुकदमाती संपत्ति, आर्म्स-एम्युनिशन, एफआइआर, विभिन्न रजिस्टरों और विवेचना संबंधी अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित विवेचनाओं, जनशिकायतों, समन और वारंटों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि सभी मामलों में कार्रवाई गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से की जाए। क्षेत्र की संवेदनशीलता और आगामी त्योहारों को देखते हुए उन्होंने गश्त और पिकेट चेकिंग बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने तथा सत्यापन अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में नशामुक्ति अभियान और जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को कहा।

झण्डाचौक स्थित कॉम्प्लेक्स में लगी आग, हादसा टला

झंडाचौक के समीप कॉप्लेक्स में लगी आग के दौरान निकलता धुंआ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार के झण्डाचौक स्थित टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।बुधवार को झंडाचौक में मौजूद लोगों को कॉप्लेक्स के ऊपर से काला धुंआ निकलता हुआ नजर आया। इसके जानकारी कॉप्लेक्स में दुकान व रेस्टोरेंट चलाने वालों को दी गई। जिसके बाद उन्होंने अपने प्रतिष्ठानों के शटर खोले तो आग की लपटे बाहर की ओर आने लगी। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की टीम भी मौके पर पहुंची। और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल विभाग ने बताया कि आग के कारण टूरिस्ट रेस्टोरेंट सहित दो अन्य दुकानों को नुकसान हुआ है। करीब चार से पांच लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

संस्कृत प्रतियोगिताओं में राइंका कोटद्वार का दबदबा

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के मेहरबान सिंह कंडारी सरस्वती विद्या इंटर कालेज में उत्तराखंड संस्कृत संस्थान की ओर से खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर संस्कृत भाषा के प्रति अपनी प्रतिभा और रुचि का प्रदर्शन किया। समूह नृत्य और समूहगान प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ योगंबर सिंह रावत, प्रधानाचार्य चंद्र सिंह नकोटी, बीना गौड़ और डा. रमाकांत कुकरेती ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिताओं के तहत सबसे पहले संस्कृत समूह नृत्य का आयोजन किया गया। इसमें राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार प्रथम, बालिका इंटर कालेज दुगड्डा द्वितीय और श्री सिद्धबली गुरुकुल संस्कृत विद्यालय तृतीय स्थान पर रहा। संस्कृत समूहगान प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका इंटर कालेज कण्वघाटी द्वितीय और बालिका इंटर कालेज दुगड्डा तृतीय रहा। संस्कृत नाटक प्रतियोगिता में श्री सिद्धबली गुरुकुल संस्कृत विद्यालय कोटद्वार प्रथम, राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार द्वितीय और राजकीय इंटर कालेज कण्वघाटी तृतीय स्थान पर रहा। संस्कृत वाद-विवाद प्रतियोगिता में आदर्श विद्या निकेतन कोटद्वार ने प्रथम, श्री सिद्धबली गुरुकुल संस्कृत विद्यालय कोटद्वार ने द्वितीय और राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत आशुभाषण में श्री सिद्धबली गुरुकुल संस्कृत विद्यालय कोटद्वार प्रथम, एमकेवीएन कण्वघाटी द्वितीय और आदर्श विद्या निकेतन तृतीय रहा। श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में महर्षि कण्व विद्या निकेतन कण्वघाटी प्रथम, राजकीय इंटर कालेज कोटद्वार द्वितीय और श्री सिद्धबली गुरुकुल संस्कृत विद्यालय कोटद्वार तृतीय स्थान पर रहा। इस अवसर पर पूजा घनसेला, विनीता बिष्ट, आंचल, श्रीकांत दुदपुड़ी, डा. रोशन बलूनी और कुलदीप मैंदोला आदि मौजूद रहे।

सिटी बस संचालन की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र में सिटी बस संचालन की मांग को लेकर उत्तराखंड विकास समिति ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। समिति के पदाधिकारियों ने एसडीएम संदीप कुमार के माध्यम से भेजे ज्ञापन में परिवहन निगम को सिटी बस संचालन के आदेश देने की मांग की।

समिति ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन में कार्यरत कर्मचारी ने दूरभाष पर सूचना दी कि कोटद्वार डिपो के एआरएम के अनुसार बसों को पहाड़ में लगाने के कारण सिटी बस संचालन संभव नहीं है। समिति ने इस तर्क पर नाराजगी जताते हुए इसे जनहित के विपरीत बताया और परिवहन निगम के स्तर से सिटी बस संचालन सुनिश्चित करने की मांग की।

बिना मान्यता संचालित हो रहे मदरसे हुए सील

मदरसे चला रहे लोगों से जानकारी लेती प्रशासन की टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रशासन ने कोटद्वार में बिना मान्यता के संचालित हो रहे दो मदरसे सील कर दिए। उपजिलाधिकारी संदीप कुमार और जिला समाज कल्याण अधिकारी रोहित दुबड़िया के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने मंगलवार देर शाम विभिन्न मस्जिद परिसरों का औचक निरीक्षण कर शिक्षण गतिविधियों एवं संबंधित अभिलेखों का सत्यापन किया।

अभियान के तहत टीम ने लकड़ीपड़ाव स्थित मदीना/रसीदिया मस्जिद के बेसमेंट में छापा मारा, जहां एक कमरे में कुल 29 बच्चे पढ़ाई करते मिले। टीम ने मदरसा संचालन की अनुमति मांगी तो संचालक अनुमति नहीं दिखा पाए। इसके बाद मदरसे के कक्ष को सामान सहित सील किया गया। साथ ही संचालक को उक्त स्थान पर किसी भी प्रकार की पठन-पाठन गतिविधि संचालित न करने के निर्देश दिए। इसके बाद टीम ने नजीबाबाद रोड स्थित जामा मस्जिद का निरीक्षण किया। मस्जिद परिसर के एक कमरे में 14 बच्चे पढ़ाई करते हुए मिले। यहां भी मदरसा संचालन संबंधी अभिलेख नहीं पाए गए। इसके बाद प्रशासन ने इस मदरसे को भी सील कर दिया। उपजिलाधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि बिना आवश्यक मान्यता, अनुमति अथवा निर्धारित प्रक्रिया के संचालित शिक्षण गतिविधियों को लेकर जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक में एक्स-रे मशीन और वेलनेस सेंटर की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने कोटद्वार स्थित ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक में एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराने और परिसर में वेलनेस सेंटर का निर्माण कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में समिति के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में सांसद अनिल बलूनी से मुलाकात कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराया।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह रावत के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सांसद के दिल्ली स्थित आवास पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि ईसीएचएस पॉलीक्लीनिक में एक्स-रे की सुविधा उपलब्ध होने से पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। साथ ही परिसर में वेलनेस सेंटर बनने से उन्हें स्वास्थ्य एवं फिटनेस संबंधी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। सांसद अनिल बलूनी ने दोनों मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को मांगों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में गोपाल सिंह नेगी और अनसूया प्रसाद सेमवाल शामिल रहे।

अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल 30 से

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज प्रतियोगिताओं में उत्तराखण्ड राज्य की टीमों के गठन के लिए जनपद स्तरीय चयन ट्रायल्स का आयोजन किया जाएगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज सिंह चैहान ने बताया कि ट्रायल्स 30 सितंबर और 01 अक्टूबर 2026 को प्रातः 9 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम अगस्त्यमुनि के खेल मैदान में होंगे। इन ट्रायल्स में एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, कैरम, चैस, हॉकी, कबड्डी, लॉन टेनिस, वेट लिफ्टिंग एवं पावर लिफ्टिंग, बेस्ट फिजिक, तैराकी, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, कुश्ती, खो-खो, योग (पुरुष महिला) तथा क्रिकेट फुटबॉल (पुरुष) वर्ग के खेल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि चयन ट्रायल्स में केवल राजकीय कार्मिक ही प्रतिभाग कर सकेंगे। पुलिस एवं सेना विभाग को छोड़कर सभी विभागों के ऐसे कर्मचारी जिनका वेतन अधिष्ठान बजट से दिया जाता है और जो राज्य सरकार के नियमकारी नियंत्रण में हैं, पात्र होंगे। प्रतिभागियों को किसी प्रकार का व्यय देय नहीं होगा। प्रतिभागियों को अपने साथ विभागाध्यक्ष से अनुमति अनापत्ति प्रमाण-पत्र, विभागीय आईडी, मोबाइल नंबर व ई-मेल, स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र और आधार कार्ड की फोटो प्रति लाना अनिवार्य होगा। शासनादेश के अनुसार ट्रायल में भाग लेने वाले कार्मिक ड्यूटी पर माने जाएंगे।

दोहा वाचन में अशोक सदन रहा अव्वल

श्रीनगर गढ़वाल : केंद्रीय विद्यालय एसएसबी श्रीनगर में हिंदी माह के तहत आयोजित दोहा वाचन प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया। छठी और बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने कबीर, रहीम, तुलसीदास आदि कवियों के दोहों का वाचन किया। दोहा वाचन में विद्यालय के अशोक सदन ने प्रथम, शिवाजी सदन ने दूसरा और रमन सदन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य कृति द्वारा विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि दोहे हमारी समृद्ध हिंदी साहित्यिक परंपरा के महत्वपूर्ण अंग हैं। इनके माध्यम से जीवन मूल्यों तथा नैतिक शिक्षा को सरलता से समझा जा सकता है।

संस्कृत आशुभाषण में अक्षित, श्लोकोचारण में कनिष्का ने मारी बाजी

एकेश्वर ब्लॉक की खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : उत्तराखण्ड संस्कृत सस्थान हरिद्वार द्वारा आयोजित एकेश्वर ब्लॉक की खण्ड स्तरीय संस्कृत छात्र स्पर्धा अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल में बुधवार से शुरू हो गई है। इस मौके पर आयोजित कनिष्ठ वर्ग की संस्कृत आशुभाषण प्रतियोगिता में अक्षित स.वि. चैधार, बत्सल राउमावि सिमारखाल, निकिता जइंकॉ मौन्दाड़ी, श्लोकोचारण में कनिष्का जइंकॉ सुरखेत, लक्ष्मण स.वि. चैधार, दीपिका रावत रिंगवाड़ी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बुधवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख पंकज बिष्ट, खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुंजन अमरोही, एसएमसी अध्यक्ष महेंद्र सिंह रौतेला, प्रधानाचार्य यतेन्द्र धस्माना, प्रधानाध्यापक राकेश पोखरियाल, प्रधानाचार्य अजय घनशाला, जनपद संयोजक रोशन गौड़ ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया। खंड संयोजक गणेश पसबोला ने प्रतियोगिताओं के नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस पर कनिष्ठ वर्ग की संस्कृत नाटक प्रयोगिता में रा.उ.मा.वि. सिमारखाल, राइंका कुलासू, समूहगान में जनता इंटर कॉलेज कमलपुर, इंटर कॉलेज सुरखेत, राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल, समूह नृत्य में संस्कृत विद्यालय चैधार, इंटर कॉलेज सुरखेत, राजकीय इंटर कॉलेज बग्याली, संस्कृत वाद-विवाद में आयुष काला, आयुष संस्कृत विद्यालय चैधार, दिव्या, वंशिका इंटर कॉलेज इंद्रापुरी, यशिका, आंकाक्षा इंटर कॉलेज सुरखेत ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन गणेश पसबोला और राहुल सती, विमल किशोर विडालिया ने किया। इस मौके पर कालिका डोबरियाल, राहुल सती, लीला देवी, तृप्ति बडोला, अरविन्द, दीपिका, शालनी, संजय कुमार, मंगलभूषण सांरग, हर्ष, त्रिलोक, योगम्बर गुसांई, जसवन्त सिंह, मनोज गुसांई, अमित सुन्दरियाल, देवेन्द्र बलूनी, यशवन्त चौहान आदि मौजूद थे।

पोषण पर ध्यान देकर ही रखी जा सकती है स्वस्थ समाज की नींव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चा ही सशक्त समाज की मजबूत नींव हैं। जच्चा और बच्चा देश का भविष्य हैं, इसलिए गर्भवती व धात्री महिलाओं के साथ ही बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने महिलाओं से केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से संचालित कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।नजीबाबाद रोड स्थित रोटरी क्लब सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों के समुचित शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही हैं। इन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के साथ ही उनके प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को लक्ष्मी किट वितरित की गई। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और संतुलित आहार को लेकर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया गया। गर्भवती और धात्री माताओं को बच्चों के बेहतर पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई।

विद्यार्थी किसानों, युवाओं और ग्रामीण समुदायों के विकास में योगदान दें

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय (एचएनबीजीयू), श्रीनगर में ह्लकृषि-स्टार्टअप हितधारक संपर्कः सहयोग एवं साझेदारी को बढ़ावाह्व विषय पर एक महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक ज्ञान को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ने, स्थानीय संसाधनों का उपयोग करने तथा कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नए उद्यम स्थापित कर किसानों, युवाओं और ग्रामीण समुदायों के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।प्रो. आर.एस. नेगी, निदेशक/डीन, कृषि एवं संबद्ध विज्ञान, चौरास परिसर ने कार्यक्रम के आयोजन एवं विभिन्न विशिष्ट अतिथियों और हितधारकों को एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मैनेज ने अपने संबोधन में कृषि-स्टार्टअप, कृषि व्यवसाय, किसान उत्पादक संगठन, इंटर्नशिप, कृषि विस्तार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहे अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने नवीन विचारों को केवल शैक्षणिक स्तर तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक उद्यमों में परिवर्तित करने का आह्वान किया, जिससे रोजगार सृजन, किसानों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जा सके। उन्होंने बताया कि कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए नवीन तकनीकों और उद्यमशीलता का उपयोग किया जा सकता है। प्रो. हरिभजन सिंह चौहान, निदेशक, बिरला परिसर ने कृषि विस्तार एवं विभिन्न संस्थानों के बीच सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसानों तक नई तकनीकों, ज्ञान एवं नवाचारों को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए मजबूत समन्वय आवश्यक है। कार्यक्रम के अतिथि वक्ता एवं उद्यमी गोविंद सिंह धामी ने ग्रामीण उद्यमिता और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक उत्पाद, स्थानीय अनुभव तथा सामाजिक माध्यमों के प्रभावी प्रचार-प्रसार के माध्यम से युवाओं के लिए स्वरोजगार एवं आय के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अपने आसपास उपलब्ध प्राकृतिक एवं स्थानीय संसाधनों की पहचान करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को नवाचार आधारित व्यावसायिक अवसरों में बदलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी, संस्थागत सहयोग और ज्ञान के आदान–प्रदान की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

आमजन को आयुर्वेद को दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर बुधवार को जनपद रुद्रप्रयाग के समस्त आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान आयुर्वेद जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, प्रकृति परीक्षण, योग एवं जीवनशैली परामर्श, औषधीय पौधारोपण के साथ ही स्वच्छता एवं सफाई अभियान संचालित किया गया। जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय, रुद्रप्रयाग में आयोजित कार्यक्रम में संगोष्ठी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. आर.एस. पाल, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा तिलारा सहित कार्यालय एवं जिला चिकित्सालय के आयुष विंग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर आयुष विंग, जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग के चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल कुमार वैद्य द्वारा आर्मी मेडिकल कोर में आयोजित संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/।प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बंद होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल **IREPS** पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	200-DRM-MB-26-27 dt. 22.09.2026	201-DRM-MB-26-27 dt. 22.09.2026
कार्य का नाम	Painting of all level crossing station building bridges etc provision of high relief cement murals and thematic painting in the section of ADEN/HW and ADEN/RK in C/W Ardha Kumbha Mela-2027	Heavy repair of boundary wall flooring & roofing of subway and replacement of flooring of ramps including improvement of circulating area at HW replacement of old corroded pipelines redevelopment of old tube wells provision of new tube wells and additional pipelines at HW area and other allied works for maintenance of engineering assets in c/w Ardha kumbha Mela-2027
निविदा का प्रकार	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil
अनुमानित लागत	2,29,99,974.01	3,43,93,089.79
धरोहर राशि	4,60,000.00	6,87,900.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	15.10.2026 16:00	15.10.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	01.10.2026	01.10.2026
आफर की वैधता	60 days	60 days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months

Tender No. 74-W/2/3/WA/Publication Dated : 23.09.2026 3304/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी ने सुनी समस्याएं

ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, शिक्षा, खेल मैदान, सोलर लाइट सहित विभिन्न समस्याएं रखीं

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला सूचना अधिकारी के.एल. टम्टा की अध्यक्षता में बुधवार को विकासखंड ऊखीमठ के ग्राम पंचायत किमाणा में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रार्थना पत्र प्रेषित किए गए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में क्षेत्र के समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि स्वर्गीय डॉ. कैलाश पुष्पवाण को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपस्थित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने नशा मुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की समय पर मरम्मत न होने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की समस्या रखी। जल जीवन मिशन के तहत सारी करोखी, पैंज एवं किमाणा पेयजल योजना में शेष कनेक्शन पूर्ण किए जाने तथा मुख्य स्रोत पर पेयजल चैंबर निर्माण की मांग भी रखी गई। इसके साथ ही ग्राम पैंज में खेल मैदान निर्माण, गांव में सोलर लाइट लगाए जाने तथा देवरियाताल-किलपुड़ा पेयजल योजना में दूषित पानी की आपूर्ति की समस्या से अवगत कराया गया। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के फेज-4 के तहत प्रस्तावित किमाणा से कन्थया गांव तक सड़क निर्माण, जंगली जानवरों से सुरक्षा, कृषि भूमि में घेरबाड़, चेकडैम निर्माण, क्षतिग्रस्त नालियों एवं पुस्तों के निर्माण तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ऊखीमठ के उच्चीकरण सहित विभिन्न समस्याएं एवं मांगें ग्रामीणों द्वारा रखी गईं। इस अवसर पर ग्राम प्रधान किमाणा सुलेखा त्रिवेदी, क्षेत्र पंचायत सदस्य सुलेखा देवी, पूर्व प्रधान संदीप सिंह पुष्पवाण, वन सरपंच देवी शंकर, युवा मंगल दल अध्यक्ष रविंद्र सिंह, महिला मंगल दल अध्यक्ष भुवनेश्वरी देवी, कनिष्ठ सहायक सूचना विभाग अरुण भरतरी, ग्राम विकास अधिकारी उत्तम राणा, वन बीट अधिकारी ऋषिराज खोयाल, रोजगार सहायक गीता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विद्यार्थी नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल में एंटी ड्रग सेल के तत्वावधान में बुधवार को ट्रेक फॉर ड्रग-फ्री देवभूमि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने के साथ-साथ उनमें शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना रहा।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने पहाड़ी क्षेत्र में ट्रेकिंग की तथा रास्ते में आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देते हुए लोगों को नशे से दूर रहने तथा युवाओं को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एडवेंचर टूरिज्म को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने पर भी जोर दिया गया। विद्यार्थियों ने ट्रेकिंग के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देने तथा मानसिक तनाव को कम करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एस. ए. अंसारी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर ही नशामुक्त देवभूमि के संकल्प को मजबूत किया जा सकता है।

बद्रीनाथ धाम में पहली बार पहुंचे 17.79 लाख से अधिक श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में चारधाम यात्रा लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के बाद अब बद्रीनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। धाम के यात्रा इतिहास में यहां पहली बार श्रद्धालुओं की संख्या 17 लाख 79 हजार 805 पहुंच चुकी है। जबकि धाम के कपाट बंद होने में अभी डेढ़ से पौने दो महीने का समय शेष है।

23 अप्रैल को शुरू हुई बद्रीनाथ यात्रा 22 सितंबर को 153 दिनों में ही आस्था का नया रिकॉर्ड बना चुकी है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड राज्य के स्थापना वर्ष 2000 में बद्रीनाथ धाम में कुल दर्शनार्थियों की संख्या 06 लाख 95 हजार 332 थी। वर्ष 2007 में यह आंकड़ा बढ़कर 07 लाख 68 हजार 107 पहुंच गया। वर्ष 2008 और 2010 में यह संख्या 10 लाख पार हुई लेकिन 2014 में भीषण आपदा भक्तों की राह में रोड़ा बन गई। श्रद्धालुओं की संख्या 01 लाख 59 हजार 575 पर सिमट गई। वर्ष 2018 और 2019 में क्रमशः 10,48,051 और 12,44,993 श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे। लेकिन फिर कोरोना संक्रमण के चलते यह आंकड़ा डेढ़ से दो लाख के बीच सिमट गया। वर्ष 2020 में मात्र 1,55,055 और 2021 में 1,99,409 तीर्थयात्री दर्शन को पहुंचे। धामी सरकार के कुशल यात्रा प्रबंधन और यात्री सुविधाओं का विस्तार होने से 2022 से भगवान बद्रीविशाल जी के भक्तों की संख्या लगातार रिकॉर्ड बनाती गई है। वर्ष 2022 में 17,63,578, 2023 में 17,80,429, 2024 में 17,74, 264 और 2025 में सर्वाधिक 17,78,298 श्रद्धालु भगवान बद्रीविशाल के दर्शन को पहुंचे। अब मौसम सुधरने के साथ ही यहां हर रोज यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। मंगलवार को 6,685 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में दर्शनार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए धामों और पड़ावों में यात्री सुविधाओं पर खास फोकस किया गया है। स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाया गया है।

व्यापारियों ने जीएसटी छापामारी का किया विरोध

श्रीनगर गढ़वाल : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल श्रीनगर इकाई की ओर से छापामारी के विरोध में जीएसटी कमिश्नर देहरादून को उपजिलाधिकारी श्रीनगर के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया।

प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी के नेतृत्व में व्यापारियों ने कहा कि त्योहारी सीजन को देखते हुए जीएसटी अधिकारियों की ओर से बाजार में अनावश्यक छापा मारा जा रहा है। वासुदेव कंडारी ने कहा कि त्योहारी सीजन की तैयारियों में व्यापारी व्यस्त हैं। ऐसे में विभाग की ओर से की जा रही कार्रवाई से उनके व्यापार पर विपरीत प्रभाव भी पड़ेगा। उन्होंने कहा है कि त्योहारी सीजन के दौरान बाजार में औचक निरीक्षक, जांच अभियानों में प्रभावी रोक लगाई जाए।

लंबित ऋण प्रकरणों का त्वरित निस्तारण करें : मनविंदर कौर

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों के क्रम में बुधवार को विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर ने की। बैठक में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को ऋण एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा बैंक एवं विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ ही पर्यटन विभाग, आरसेटी, ग्रामीण आजीविका मिशन सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं स्वरोजगारपरक योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही वित्तीय सहायता की प्रगति पर चर्चा की गई। जिला विकास अधिकारी ने संबंधित बैंक प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों के ऋण एवं वित्तीय सहायता से संबंधित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करते हुए लाभार्थियों को आवश्यक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस अवसर पर महाप्रबंधक जिला उद्योग महेश प्रकाश, अग्रणी बैंक प्रबंधक अनूप असवाल, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला समाज कल्याण अधिकारी टी आर मलेठा, निदेशक आरसेटी अरुण कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं बैंक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

एक नजर

संचालन में अव्यवस्था पर घोड़े–खच्चर संचालकों में नाराजगी

बड़कोट। यमुनोत्री धाम के पैदल यात्रा मार्ग पर कुली एजेंसी की रोटेशन व्यवस्था नियमित रूप से संचालित नहीं हो रही है। जिला पंचायत की नाकामी पर घोड़ा–खच्चर संचालकों में नाराजगी है। उन्होंने रोटेशन व्यवस्था लागू करने में भेदभाव किए जाने का आरोप लगाया है और जिला पंचायत से व्यवस्था को पारदर्शी और समान रूप से लागू करने की मांग की है।

घोड़ा–खच्चर संचालक आशीष मोहन, बुजमोहन, दिनेश, सुमन, दुर्गेश, हरीश, मोहन लाल आदि ने कहा कि पैदल मार्ग पर रोटेशन व्यवस्था का पालन मुख्य रूप से घोड़ा–खच्चर संचालकों पर कराया जा रहा है जबकि डंडी–कंडी मजदूरों के लिए यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू नहीं की जा रही है। उनका आरोप है कि कई डंडी–कंडी मजदूर निर्धारित स्टैंड पर रहने के बजाय होटल, ढाबों और वाहनों के आसपास यात्रियों को आकर्षित करने में लगे रहते हैं।

संचालकों का कहना है कि यदि प्रशासन वास्तव में रोटेशन व्यवस्था को ईमानदारी और निष्पक्ष तरीके से लागू करना चाहता है तो राम मंदिर के समीप सभी श्रेणी के यात्रा संचालकों और मजदूरों पर समान रूप से सख्ती की जानी चाहिए। इससे यात्रियों को अनावश्यक रूप से आकर्षित करने की होड़ पर रोक लगेगी और पैदल मार्ग पर व्यवस्था भी बेहतर होगी।

कबड्डी में न्याय पंचायत खड़क्यासेम व गुंदियाट गांव प्रथम

पुरोला। विकास खंड पुरोला में आयोजित दो दिवसीय विकास खंड स्तरीय प्राथमिक एवं सब–जूनियर खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया। प्राथमिक बालक कबड्डी में न्याय पंचायत खड़क्यासेम व बालिका कबड्डी में न्याय पंचायत गुंदियाट गांव विजेता रही। सब–जूनियर बालक कबड्डी में न्याय पंचायत चंदेली और बालिका वर्ग में न्याय पंचायत गुंदियाटगांव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।खेल समन्वयक आर.एस. रावत ने जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों के अंतिम परिणाम जारी किए। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में प्राथमिक वर्ग में उत्कर्ष, हसरुद्दीन, गुंजन, हिमांशी और परिधि ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल किया।

वहीं सब–जूनियर वर्ग में नक्ष, प्रियांशु, तन्मय, मोहित, हरिओम, करिश्मा, सानिया, ऐश्वर्या, संदेशा, राधिका और एंजेल ने अपनी–अपनी स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के लिए स्थान बनाया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले सैनिटरी पैड की गुणवत्ता खराब

उत्तरकाशी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किशोरियों के लिए दिए जा रहे सैनिटरी पैड की गुणवत्ता सही न होने के कारण उनको नगर व ग्रामीण क्षेत्र में कोई नहीं खरीद रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि खरीद नहीं होने के कारण उनको ही उसका पूरा खर्चा वहन करना पड़ रहा है। इससे वह केंद्रों में पड़े–पड़े खराब हो रहे हैं। साथ ही गर्भवतियों के जाने वाल आहार के भाड़े का पैसा भी उन्हें ही देना पड़ रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिन सैनिटरी पैड को किशोरियों और महिलाओं के प्रयोग के लिए दिया जा रहा है। उसकी गुणवत्ता खराब होने के कारण उसका किसी प्रकार का प्रयोग नहीं हो रहा है। आंगनबाड़ी संगठन की जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी नौटियाल, रुकमणी सेमवाल, सुमित्रा, किरन भंडारी, चंदा पंवार, वंदना देवी का कहना है कि पहले सरकार की ओर से वह पांच रूपए की लागत से बेचने के लिए दिए गए। उस दौरान वह कुछ महिलाओं ने खरीदे लेकिन अब उसका मूल्य 15 रुपये होने के बाद से नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में उन्हें कोई भी नहीं खरीद रहा है।

इसलिए उसका पूरा खर्चा उन्हें ही वहन करना पड़ रहा है। इस वित्तीय वर्ष में प्रत्येक केंद्रों के लिए आए पहल लॉट का खर्चा उन्हें स्वयं उठाना पड़ा था। वहीं अब दूसरे लॉट का लेने से उनकी ओर से इन्कार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने 306 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं को दी मंजूरी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में सड़क अवसंरचना, पर्यटन विकास, बाढ़ सुरक्षा, धार्मिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण तथा एवं जन सुविधाओं से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों के लिए प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने राज्य सेक्टर के अंतर्गत मानसून अवधि में बाढ़ सुरक्षा कार्यों, क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों के पुनर्निर्माण एवं बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों के निर्माण के लिए पिथौरागढ़, चमोली, देहरादून, उत्तरकाशी एवं पौड़ी गढ़वाल जनपदों की 06 योजनाओं हेतु 9.30 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है।मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय सड़क अवसंरचना निधि के अंतर्गत भारत सरकार से स्वीकृत 09 कार्यों के लिए 288.41 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के रूप में 40 प्रतिशत धनराशि 115.36 करोड़ अवमुक्त किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने श्री बद्रीनाथ धाम में रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्य की पुनरीक्षित लागत के क्रम में वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार के पर्यटन अवस्थापना मद से 6 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र सल्ट में मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत शक्तिपीठ भौनादेवी मंदिर के सौन्दर्यीकरण के लिए 50 लाख की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट में मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत कुणिया ग्राम सभा में तपड़ी घाट से गोलमानू प्राथमिक विद्यालय तक सीसी मार्ग के निर्माण के लिए 72.63 लाख की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। मुख्यमंत्री ने जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र जागेश्वर में मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत चलनीछीना में घटीका मंदिर के सौन्दर्यीकरण के लिए 99.39 लाख की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है।

कांग्रेस ने फूंका भाजपा सरकार का पुतला

उत्तरकाशी। प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ती आपराधिक घटनाओं और पुलिस प्रशासन की कथित निष्क्रियता के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने हनुमान चौक पर भाजपा सरकार का पुतला दहन किया।

बुधवार को कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्रित हुए। वहां उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार का पुतला दहन किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रावत ने कहा कि ऊधमसिंह नगर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कई बार के विधायक तिलकराज बेहड़ के साथ कथित अभद्र व्यवहार और दबंगई की घटना के दौरान पुलिस प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े हुए हैं। इस मौके पर घनानंद नौटियाल, कनक पाल सिंह परमार, शूरवीर सिंह राणा, उत्तम सिंह गुसाईं, शीशपाल पोखरियाल, पपेंद्र नेगी, रमन कठेत, सुधीश पंवार, हिमांशु सेमवाल, आदर्श राणा, दीपक नेगी आदि मौजूद रहे।

तीन गांवों में दिखे भालू, ग्रामीणों में दहशत

नारायणबगड़। ब्लॉक के बमियाला, कफोली और नोलापानी गांवों में भालुओं के लगातार देखे जाने से ग्रामीण दहशत में हैं। भालुओं के डर से महिलाओं के कामकाज और बच्चों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों के अनुसार भालुओं के झुंड गांवों के आसपास घूम रहे हैं। ये भालू ग्रामीणों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। बुधवार को बमियाला और कफोली गांव के ग्रामीण वनक्षेत्राधिकारी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने भालुओं की दहशत से निजात दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने वनक्षेत्राधिकारी को ज्ञापन सौंपकर भालुओं को जंगल में खदेड़ने का आग्रह किया। वनक्षेत्राधिकारी प्रदीप गौड़ ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर वनकर्मियों की एक टीम प्रभावित गांवों की ओर रवाना कर दी गई है। भालुओं को भगाने के लिए ग्रामीणों को पटाखे भी दिए गए हैं। ज्ञापन देने वालों में केशर सिंह, कृपाल सिंह, गोपाल सिंह, महेंद्र सिंह, ममंद अध्यक्ष नंदी देवी, संगीता देवी, जीतसिंह, उदयसिंह आदि शामिल थे।

भूस्खलन रोकने के लिए बनेगी सुरक्षा दीवार

देवाल। स्टेट हाईवे थराली–देवाल–लोहाजंग पर स्थित गमलीगाड़ भूस्खलन क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग चार परत की क्रेटवायर सुरक्षा दीवार बनाएगा। इसके लिए विभाग ने करीब 45 लाख रुपये का इस्टीमेट तैयार किया है। यहां पिछले एक महीने से लगातार भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हो रहा है। गमलीगाड़ हाईवे एक संवेदनशील और खतरनाक क्षेत्र बन चुका है। हर बरसात में यहां बड़े पैमाने पर भूस्खलन होता है। लोनिवि ने इस भूस्खलन क्षेत्र का भूगर्भीय सर्वे करवाया था। लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि भूगर्भीय रिपोर्ट के तहत यहां अस्थायी उपचार का सुझाव दिया गया है। क्रेटवायर की सुरक्षा दीवार बनाने के लिए 45 लाख रुपये का इस्टीमेट तैयार किया गया है। स्वीकृति मिलने के बाद चार परत की क्रेट वायर दीवार का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। यह दीवार क्षेत्र में भूस्खलन की समस्या को कम करने में मदद करेगी।

जयकारों के बीच सिद्धपीठ कुरुड़ में विराजमान हुईं मां नंदा की डोलियां

नंदानगर। जय मां नंदा के जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बुधवार को कुरुड़ और बंड क्षेत्र की मां नंदा की डोलियां विधि–विधान से सिद्धपीठ कुरुड़ मंदिर में विराजमान हो गईं। इसके साथ ही मां नंदा की 19 दिन की बड़ी जात का निर्विघ्न समापन हो गया। विभिन्न पड़ावों से होते हुए डोलियां कैलाश के लिए विदा हुईं और वापसी पर क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। इस दौरान 12 साल बाद फिर आयोजन का संकल्प लिया गया।फरखेत गांव के बाद विभिन्न पड़ावों से होते हुए मां नंदा की डोलियां बुधवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे कुरुड़ मंदिर परिसर पहुंचीं। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। डोलियों के मंदिर पहुंचने पर कुरुड़ बाजार और मंदिर परिसर में भक्तों की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। डोली के मुख्य पुजारी मुंशी चंद्र गौड़ सहित अन्य ब्राह्मणों ने मां नंदा का पूजन और हवन कराया। इस दौरान 12 साल बाद फिर बड़ी जात के आयोजन का संकल्प लिया गया। इस मौके पर महिपाल सिंह रावत, भगवती प्रसाद, हरि प्रसाद, सत्य प्रसाद, सुरेंद्र सिंह, रमेश गौड़, महिला मंगल दल अध्यक्ष देवेश्वरी देवी सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

त्रियुगीनारायण में 21 दंपतियों ने की संतान प्राप्ति की कामना

फाटा। द्वादशी तिथि पर त्रियुगीनारायण मंदिर में 21 दंपतियों ने भगवान नारायण और भैरवनाथ के पश्वा से संतान प्राप्ति की कामना की। पूजा–अर्चना के बाद दंपतियों को प्रसाद एवं श्रीसंवाद प्रदान किया गया।

बुधवार को भगवान विष्णु नारायण के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाने वाली बामन द्वादशी पर महिलाओं और बेटियों ने अपने घरों से हरियाली लाकर नारायण को अर्पित की। हिमालयी क्षेत्र से लाए गए ब्रह्मकमल से भगवान नारायण की मूर्ति का श्रृंगार किया गया। सुबह ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ब्रह्मकमल समेत विभिन्न पूजा सामग्री से भगवान का श्रृंगार किया। इसके बाद नारायण की मूर्तियों को थाल में विराजमान कर पश्वाओं ने मुख्य मंदिर की कई परिक्रमा की। अनुष्ठान के बाद मंदिर परिसर में पहुंचे दंपतियों को प्रसाद वितरित किया गया। भक्तों ने मोरू प्रजाति के वृक्ष की लकड़ी से झांकड़ी निकालकर उत्सव मनाया। लकड़ी को प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं को वितरित करने के साथ हवन कुंड में भी डाला गया। विभिन्न स्थानों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने एक–दूसरे से मिलकर स्नेह और सौहार्द का संदेश दिया। वहीं त्रियुगीनारायण मंदिर जनसेवा समिति की ओर से आयोजित तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिए गए हैं। समिति अध्यक्ष दिवाकर गैरोला ने बताया कि गांव के ही एक ग्रामीण की मृत्यु होने के कारण समिति ने सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थगित करने का निर्णय लिया है।

डीडीआरसी में दो माह से लटका है ताला

नई टिहरी। समाज कल्याण विभाग की लेटलतीफी टिहरी जिले के दिव्यांगजनों पर भारी पड़ रही है। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) नई टिहरी में पिछले दो माह से ताला लटका हुआ हैं। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से अपनी समस्या लेकर पहुंच रहे दिव्यांगजनों को केंद्र बंद मिलने पर निराश लौटना पड़ रहा है।समाज कल्याण विभाग में जिले के करीब 15 हजार दिव्यांग पंजीकृत हैं। जिसमे लगभग 11 हजार शारीरिक और करीब चार हजार मानसिक दिव्यांग शामिल हैं। डीडीआरसी के माध्यम से दिव्यांगजनों को बैसाखी, व्हीलचेयर, कान की मशीन, छड़ी और चश्मे सहायक उपकरण उपलब्ध कराने में मदद की जाती है। जरूरतमंदों को फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, विशेष परामर्श, विशेष शिक्षा और पुनर्वास सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इसके अलावा दिव्यांग प्रमाणपत्र और यूडीआईडी कार्ड बनवाने में भी डीडीआरसी दिव्यांगजनों की मदद करता है। केंद्र बंद होने का सबसे अधिक असर जिला अस्पताल बौराड़ी में प्रत्येक बुधवार को लगने वाले दिव्यांग शिविर पर भी पड़ा है। पहले डीडीआरसी के कर्मचारी शिविर में पहुंचकर दिव्यांगजनों को प्रमाणपत्र, यूडीआईडी कार्ड और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं में मदद करते थे लेकिन पिछले दो माह से केंद्र बंद होने के कारण समाज कल्याण विभाग के कर्मचारी शिविर में भी नहीं पहुंच रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

ईरान पर अमेरिका का बड़ा वार: 23 सितंबर से दुनियाभर में एयरलाइंस पर रोक, तेहरान ने दी हमले की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के विमानन क्षेत्र के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई का एलान किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी है कि 23 सितंबर से दुनिया भर में सभी ईरानी एयरलाइंस का संचालन पूरी तरह ठप कर दिया जाएगा। बेसेंट ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि ईरानी विमान लैंड करते हैं, तो कोई भी उन्हें ईंधन नहीं दे सकता, लैंडिंग सेवाएं उपलब्ध नहीं करा सकता और न ही उनके टिकट बेच सकता है। जो भी देश, एयरपोर्ट या कंपनी ईरानी विमानों को किसी भी प्रकार की सहायता मुहैया कराएगी, उसे तत्काल डॉलर आधारित वित्तीय प्रणाली से पूरी तरह बाहर कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान के केंद्रीय सैन्य कमान खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि यदि उसने ईरान के खिलाफ कोई भी नई सैन्य कार्रवाई शुरू की तो पूरे पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर बेहद दर्दनाक हमले किए जाएंगे। ईरानी सरकारी समाचार एजेंसी इरना की ओर से जारी बयान में ईरान ने दावा किया कि अमेरिका क्षेत्रीय देशों के सहयोग से सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। सेना ने कहा कि यदि अमेरिका ने कोई भी चूक की, तो बिना किसी विचार के जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ईरान की तरफ से यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की उस धमकी के बाद आया है कि अगर ईरान ने अपना रुख नहीं बदला, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उधर, समुद्री निगरानी एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि होर्मुज में अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से एक तेल टैंकर पर हमला किया गया है। हमले में चालक दल के दो सदस्य घायल हुए हैं।

ट्रंप और ममदानी की मुलाकात: मीडिया पर प्रतिबंध और बायकॉट के सवाल का भी दिया जवाब; क्या-क्या बोले?

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क के मेयर पद के डेमोक्रेट उम्मीदवार जोहरान ममदानी से मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत की। इसी दौरान उनसे उन खबरों पर सवाल किया गया, जिनमें कहा गया था कि व्हाइट हाउस की ओर से कई मीडिया संस्थानों पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में कुछ मीडिया संगठन ट्रंप की कवरेज का बहिष्कार कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि मीडिया ने उन्हें बॉयकॉट करने की बात कही थी, लेकिन वास्तव में किसी ने उनका बॉयकॉट नहीं किया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें मीडिया के बॉयकॉट की कोई चिंता नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रेस की भी एक जिम्मेदारी होती है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने चुनाव में बड़ी जीत हासिल की और उनके कार्यकाल में कई बड़े काम हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आठ युद्धों को सुलझाया है और अमेरिका के आर्थिक आंकड़े देश के इतिहास में सबसे अच्छे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जो काम किए हैं, उन्हें मीडिया सकारात्मक तरीके से नहीं दिखाता। उनका कहना था कि उन्हें लगभग हमेशा नकारात्मक कवरेज मिलती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका में 21 ट्रिलियन डॉलर का निवेश आ रहा है, जो उनके मुताबिक अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने ऐसा किया है जो पहले कभी नहीं हुआ।

हूतियों के हमलों से सऊदी बेहाल: ब्रिटेन ने बढ़ाया मदद का हाथ; आरएएफ भरेगा लड़ाकू विमानों में ईंधन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच सऊदी अरब को सीमित सैन्य मदद देने का फैसला किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने सोमवार को बताया कि रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ सऊदी अरब के विमानों में हवा में ही ईंधन भरने की सुविधा देगा। यह व्यवस्था कुछ हफ्तों के लिए होगी और हालात को देखते हुए इसकी समीक्षा की जाएगी। यमन में हूतियों और सऊदी समर्थित सरकार के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। हूती विद्रोही सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहे हैं। शनिवार को सऊदी राजधानी रियाद को निशाना बनाकर भी हमला किया गया था, जिसे बीच में ही रोक दिया गया। हूतियों ने लाल सागर और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी शिपिंग के खिलाफ नाकाबंदी का एलान भी किया है। ब्रिटेन आरएफ के जरिए सऊदी विमानों को हवा में ईंधन भरने की सुविधा देगा। यह सहायता शुरुआती तौर पर कुछ हफ्तों के लिए होगी और इसकी समीक्षा की जाएगी। आरएएफ का एक वॉयजर विमान सऊदी विमानों को ईंधन देने के लिए इस्तेमाल होगा। ब्रिटिश अधिकारियों के मुताबिक विमान सऊदी के 'रक्षात्मक' अभियानों में मदद करेगा।

जयशंकर ने की पी4एम समिट की अध्यक्षता, कहा- वैश्विक व्यवस्था दबाव में, बहुपक्षीय सहयोग जरूरी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। 81वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के इतर बहुपक्षवाद शिखर सम्मेलन में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक चुनौतियों पर जोर दिया। भारत ने सह-प्रायोजक के रूप में बहुपक्षवाद को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र में सुधार की वकालत की। सम्मेलन में वैश्विक चुनौतियों से निपटने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने इस पहल की सह-मेजबानी ऑस्ट्रेलिया, बारबाडोस, ब्राजील, कनाडा, भारत और केन्या के साथ की। उन्होंने सभी महाद्वीपों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक व्यापक और विविध प्रतिनिधित्व पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कोस्टा ने कहा कि हम सभी विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और इतिहासों से आते हैं, फिर भी हम समान चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। विश्व इस समय एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां संघर्ष लगातार फैल रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून का बार-बार उल्लंघन किया जा रहा है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य भी शामिल हैं। बहुपक्षीय प्रणाली इस समय भारी तनाव में है। जलवायु परिवर्तन, महामारी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक असुरक्षा जैसी चुनौतियां इतनी व्यापक हैं कि कोई भी देश, चाहे

वह बड़ा हो या छोटा, उनका अकेले सामना नहीं कर सकता।

इसलिए हमें टकराव को सहयोग में बदलना चाहिए। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग, आपसी सम्मान और अंतरराष्ट्रीय कानून पर आधारित एक वैश्विक नेटवर्क बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने इस पहल को शुरू करने के लिए राष्ट्रपति एंटोनियो कोस्टा को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, भारत सह-प्रायोजक के रूप में इस पहल में शामिल होकर प्रसन्न है। जयशंकर ने आगे कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब वैश्विक व्यवस्था तनाव में है। पिछले कुछ दशकों से दुनिया में एक स्थिर पुनर्संतुलन देखा जा रहा है, जो एक लंबे समय से अपेक्षित संरचनात्मक विकास था। हालांकि, अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, भू-राजनीतिक तनाव और वास्तविक संघर्षों ने इसे एक अलग चरित्र दिया है। यदि इसे अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना पर ही सवाल उठाएगा। इसीलिए इस मोड़ पर बहुपक्षवाद का दृढ़ता से मुखर होना इतना आवश्यक है।

बहुपक्षवाद की आवश्यकता क्यों है : कोस्टा ने स्पष्ट किया कि बहुपक्षवाद के साझेदारों की यह पहल एक खुला मंच है। यह दुनिया के सभी हिस्सों के साझेदारों के लिए है जो सामान्य सिद्धांतों की रक्षा करने को तैयार हैं। इसका लक्ष्य ठोस समाधानों की दिशा में मिलकर काम करना है। यह मंच संवाद, गठबंधन निर्माण और व्यावहारिक सहयोग के लिए एक नेटवर्क के रूप में कार्य करेगा। यह हमें सामान्य चुनौतियों का सामना करने में समन्वय स्थापित करने में मदद करेगा। हमारा मुख्य उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय प्रारूपों के कार्य का समर्थन करना है। हम साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस कार्रवाई में बदलने में सहायता करेंगे। जयशंकर ने भी बहुपक्षवाद की आवश्यकता पर दृढ़ता से जोर दिया। उन्होंने कहा कि यहां दांव पर केवल शब्द या अभिव्यक्तियां नहीं हैं। बल्कि बहुत वास्तविक मुद्दे हैं जिनका समाधान आवश्यक है। शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का भविष्य, जलवायु कार्रवाई और जलवायु न्याय, उभरती प्रौद्योगिकियां और विकास वित्त, आतंकवाद का मुकाबला, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना, तथा आपदा लचीलापन सुनिश्चित करना और महामारियों की तैयारी करना। ये सभी सहयोग की इच्छा पर निर्भर करते हैं।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने की प्राथमिकताएं क्या हैं : एंटोनियो कोस्टा ने इस संबंध में तीन मुख्य प्राथमिकताएं बताईं। पहली प्राथमिकता उन नियमों और संस्थाओं की रक्षा करना है जो हम सभी की सुरक्षा करते हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र चार्टर, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानून शामिल हैं। दूसरी प्राथमिकता जलवायु वित्त, सतत विकास, महामारी की तैयारी, आर्थिक लचीलापन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में प्रगति करना है। तीसरी प्राथमिकता हमारी संस्थाओं में सुधार करना है। उन्हें कल की दुनिया के लिए उपयुक्त बनाना है, न कि कल की दुनिया के लिए। कोस्टा ने भविष्य के लिए समझौता, संयुक्त राष्ट्र 80 पहल और अन्य सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने इन्हें संयुक्त राष्ट्र को अधिक सुसंगत, प्रभावी और कुशल बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। जयशंकर ने भी कहा कि हमने अब तक जो कुछ भी हासिल किया है, वह केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सबक यह है कि बेहतर के लिए प्रयास करते हुए अच्छे की रक्षा की जाए। यह उद्देश्य विभिन्न प्रकार के प्रयासों और पहलों के संयोजन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

स्पेसएक्स को मिलेगी वाइल्डलाइफ की जमीन, कोर्ट ने खारिज की अंतरिम रोक की मांग; भड़के पर्यावरण समूह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने टेक्सास में एक जमीन अदला-बदली (लैंड स्वैप) समझौते के तहत अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को 700 एकड़ से अधिक वन्यजीव अभयारण्य की जमीन सौंपने की ट्रंप प्रशासन की योजना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद पर्यावरण समूहों ने अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश फर्नांडो रोड्रिग्ज जूनियर ने सोमवार को पर्यावरण और आदिवासी समूहों की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इस जमीन के हस्तांतरण पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायाधीश ने कहा कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में नाकाम रहे कि इस सौदे से गल्फ कोस्ट क्षेत्र के पर्यावरण को कोई अतिरिक्त गंभीर खतरा पहुंचेगा, जो इलाका पहले से ही स्पेसएक्स के रॉकेट अभियानों के चलते काफी बदल चुका है।

यूएस फिश एंड वाइल्डलाइफ सर्विस ने जून में स्पेसएक्स के साथ इस समझौते को आगे बढ़ाने की मंजूरी दी थी। इस समझौते के तहत स्पेसएक्स अपनी 683 एकड़ निजी जमीन सरकार को सौंपेगा और इसके बदले में कंपनी को 'लोअर रियो ग्रांडे वैली नेशनल वाइल्डलाइफ रिफ्यूज' की 700 एकड़ से ज्यादा संघीय जमीन मिलेगी। यह वन्यजीव अभयारण्य टेक्सास सीमा पर चार काउंटियों में 1,03,000 एकड़ में फैला हुआ है। यह दुर्लभ वन्यजीवों का आवास और ऐतिहासिक धरोहर है। नक्शों से पता चलता है कि स्पेसएक्स को जो नई जमीन मिलने वाली है, वह अमेरिका-मेक्सिको सीमा के करीब कंपनी के मौजूदा रॉकेट लॉन्चपैड से बिल्कुल सटी हुई है।

पर्यावरण समूहों ने जताया कड़ा विरोध : मामले को लेकर सेंटर फॉर बायोलॉजिकल डायवर्सिटी के प्रवक्ता लाइकन जोर्डाहल ने कहा कि यह सौदा सार्वजनिक जमीन को स्पेसएक्स को तोहफे में देने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे अगले हफ्ते से ही इस वन्यजीव अभयारण्य पर बुलडोजर चलने का रास्ता साफ हो जाएगा और एक सार्वजनिक संपत्ति निजी फायदे में बदल जाएगी।

जोर्डाहल ने जोर देकर कहा कि अदालत का यह आदेश अंतिम फैसला नहीं है और उनकी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह जमीन दक्षिण टेक्सास के लोगों और वन्यजीवों के लिए आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और वे इसे स्पेसएक्स से बचाने के लिए लड़ते रहेंगे। स्थानीय लोग समुद्र तटों तक पहुंच बंद होने और रॉकेट विस्फोटों के खतरों को लेकर भी मस्क की कंपनी के बढ़ते विस्तार का विरोध करते रहे हैं।

पीठ में गोली धंसी रही, फिर भी आईसीई ने नहीं छोड़ा: अस्पताल से सीधे हिरासत में पहुंचा वेनेजुएलावासी

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास में एक आईसीई अधिकारी की गोली से घायल 28 वर्षीय वेनेजुएलावासी को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद फिर आईसीई हिरासत केंद्र भेज दिया गया। खास बात यह है कि उसकी पीठ में गोली अब भी फंसी हुई है। आव्रजन वकील केट लिंकन-गोल्डफिंच की प्रवक्ता फैबियाना मेलेंडेज रुइज के मुताबिक, विल्बर राफेल गार्सेस पेरेज रविवार को ऑस्टिन में डोरडैश की डिलीवरी कर रहा था। इसी दौरान ट्रैफिक रोकने के दौरान उसे गोली मार दी गई।

पेरेज को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया था और उसकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई गई थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे दक्षिण टेक्सास आईसीई प्रोसेसिंग सेंटर, पियर्सल भेजा गया। पियर्सल ऑस्टिन से करीब 130 मील दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। वकील की प्रवक्ता के मुताबिक, उसकी पीठ में गोली अभी भी मौजूद है और उसे दर्द की दवा नहीं दी गई। पेरेज ने अपनी पत्नी को रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे फोन कर बताया था कि उसे गोली लगी है। उसकी पत्नी और वकील को रविवार शाम तक अस्पताल से उसकी स्थिति की जानकारी नहीं मिल सकी। ऑस्टिन के मेयर ने कहा है कि स्थानीय पुलिस को इस घटना की जांच में भूमिका मिलनी चाहिए।

वकील की प्रवक्ता के मुताबिक, पेरेज ने अपनी वकील से फोन पर बात की। उसने बताया कि पीठ में गोली फंसी होने के बावजूद उससे पूछताछ की जा रही थी। प्रवक्ता ने कहा कि पेरेज ने यह भी बताया कि उसे दर्द की कोई दवा नहीं दी गई। रविवार को गोली लगने के बाद उसकी पत्नी ने अस्पताल से उसकी हालत जानने की कोशिश की, लेकिन अस्पताल ने शाम करीब छह बजे बताया कि उसे लगभग 90 मिनट पहले ही छुट्टी दे दी गई थी। आईसीई ने वकील को उसकी हिरासत की जानकारी नहीं दी, जिसके बाद कानूनी डेटाबेस और अन्य माध्यमों से पता चला कि उसे कहां रखा गया है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने कहा है कि वह एक ऐसे वेनेजुएलावासी की गोली लगने की घटना की जांच कर रहा है।

खुद को कमजोर मानने वाले दूसरे का चेहरा पढ़ने में ज्यादा माहिर; कैसे लोग संवेदनशील, सामाजिक दूरी क्यों?

लंदन, एजेंसी। जब कोई आपसे बात करते समय यह बोले कि वो बहुत बहादुर है, किसी से नहीं डरता या फलां काम तो बाएं हाथ का खेल है तो कई बार इस पर खीज उठना स्वाभाविक है। लेकिन आपने शायद ही कभी ऐसा महसूस किया होगा कि आपके चेहरे पर नाराजगी का भाव उभरने से पहले ही ऐसी डींगें भरने वाले चुप हो जाते हैं।

दरअसल, एक नए अध्ययन में पता चला है कि खुद को अंदर से कमजोर मानने वाले और लोगों के सामने बहादुरी का दावा करने वाले ज्यादा संवेदनशील होते हैं। सामने वाले के चेहरे पर गुस्से या घृणा का भाव वो तुरंत भांप जाते हैं। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ लिंकन की तरफ से हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों के मन में अपने आत्म-सम्मान को लेकर अचेतन रूप से संदेह होता है, वो इस बात को बहुत

जल्द समझ जाते हैं कि सामने वाले को उसकी बात अच्छी लग रही है या नहीं। विज्ञान पत्रिका पर्सनैलिटी एंड इंडिविजुअल डिफरेंसेस में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, सामाजिक रूप से नकारे जाने के प्रति संवेदनशीलता व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और दूसरों के साथ उसके सामाजिक संबंधों को भी गहराई से प्रभावित करती है। डॉ. कोर्जेनियोव्स्का ने बताया, जब किसी व्यक्ति का अचेतन आत्म-सम्मान कम होता है, तो उसका दिमाग संभावित सामाजिक अस्वीकृति से बचने के लिए लगातार अलर्ट मोड पर रहता है। शोध में सामने आया कि चेहरे पर घृणा के भावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील लोग नकारे जाने के डर से एक सामाजिक दूरी बना लेते हैं।

क्या है चेतन व अचेतन आत्म-सम्मान : शोधकर्ताओं के मुताबिक, आत्म-सम्मान केवल वह नहीं है जो हम ऊपर से महसूस करते हैं या दूसरों को बताते हैं। मनोविज्ञान इसे दो मुख्य हिस्सों में बांटता है। स्पष्ट या चेतन आत्म-सम्मान वह भावना है जिसके बारे में हम सचेत होते हैं। उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति खुद को योग्य या प्रतिभाशाली मानता है और इसे शब्दों में बयां कर सकता है।

एजीआई हाउस या अय्याशी का अड्डा?: 37 पुलिस शिकायतों से उठे सवाल, टेक दिग्गजों की पार्टियों पर गंभीर आरोप

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) के जरिये दुनिया बदलने का दावा करने वाले सिलिकॉन वैली के आलीशान टेक हाउस अपनी गतिविधियों को लेकर सवालों के घेरे में हैं। कैलिफोर्निया के बेहद महंगे इलाके हिल्सबोरो स्थित एजीआई हाउस में तकनीकी विशेषज्ञों, स्टार्टअप संस्थापकों और निवेशकों के जमावड़े के बीच होने वाली पार्टियों और वहां की घटनाओं पर पुलिस शिकायतों और अदालती दस्तावेज में गंभीर आरोप सामने आए हैं। 2022 से अब तक इस बंगले के संबंध में 37 पुलिस मामले और शिकायतें दर्ज हुई हैं। नेटवर्किंग के नाम पर आयोजित होने वाली इन

पार्टियों में न केवल नशीले पदार्थ व पार्टनर्स की अदला-बदली आम बात है, बल्कि दुष्कर्म, जबरन यौन संबंध बनाने और महिलाओं को बंधक बनाने के संगीन आरोप भी सामने आए हैं। 18,000 वर्गफुट के भूमध्यसागरीय शैली के इस बंगले में आठ कमरे हैं। एक कमरे का मासिक किराया 10 हजार डॉलर यानी करीब 9.5 लाख रुपये तक बताया गया है। सिलिकॉन वैली के शुरुआती हैकर हाउस छोटे-छोटे साझा मकानों में रहने और कोडिंग करने वाले युवा प्रोग्रामरों के लिए जाने जाते थे। एआई बूम के साथ स्वरूप बदला तो अय्याशी के अड्डे बनते चले गए।

बेलगाम पार्टियां, हवा में उड़ती कारें : एआई के पावर सेंटर एजीआई हाउस की नींव गूगल के पूर्व शोधकर्ता जेरेमी निक्सन ने रखी थी। इसमें ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी शीर्ष कंपनियों के इंजीनियर और स्टार्टअप फाउंडर्स रहते हैं। ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ऐसी ही एक अन्य हैकर-हाउस श्रृंखला द रेजिडेंसी के सलाहकार रहे हैं। गूगल के सह-संस्थापक सर्गेई ब्रिन यहां व्याख्यान दे चुके हैं, जबकि एलन मस्क की पूर्व पार्टनर और गायिका ग्राइम्स यहां परफॉर्म कर चुकी हैं। यहां एक पार्टी में बंगले के लॉन में हवा में स्टंट करती कार उड़ाई गई। मेहमानों को बग्घियों में बैठाकर नकली एफिल टॉवर तक लाया गया। पिछले साल दिसंबर में रात 2:22 बजे एक महिला ने पुलिस को फोन किया। महिला ने आरोप लगाया कि घर के एक निवासी ने उसे अंदर रोककर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। विरोध करने पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की। वह किसी तरह बंगले का ऊंचा गेट फांदकर बाहर निकल सकी। एजीआई हाउस से दो मील दूर टेक एन्फ्लुएंसर जिमी चेन ने 6 हजार वर्ग फुट का बंगला किराए पर ले रहा था।

महिलाओं के वेश में बच्चे के साथ घूम रहा था 16 हत्याओं का आरोपी 'मच्छर', पुलिस ने कैसे की गिरफ्तारी?

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजीलियाई अधिकारियों के अनुसार, 16 लोगों की हत्या करने का आरोपी एक व्यक्ति पकड़े जाने से बचने के लिए जंगल में रहता था। उसे कमजोर शरीर-यष्टि के कारण स्थानीय लोग 'मच्छर' (मॉस्किटो) कहते थे। यह जानकारी उसे गिरफ्तार करने वाले ब्राजीलियाई पुलिस जांचकर्ता ने दी।

जांचकर्ता डगलस गार्सिया, जिन्होंने 33 वर्षीय जोरलान लोपेस दा सिल्वा की दो दिन तक चली खोज का नेतृत्व किया (जो 13 सितंबर को खत्म हुई)। उन्होंने सोमवार को 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि संदिग्ध घनी झाड़ियों में अपने बनाए अस्थायी कैंपों में छिपकर रहता था। दा सिल्वा से जुड़ी हत्याएं पिछले तीन महीनों के दौरान ब्राजील के उत्तर-पूर्वी राज्य पाराईबा के दूर-दराज इलाके मुलुंगु में हुई। गार्सिया ने कहा, 'इसी वजह से वह वर्षों तक पकड़े जाने से बचता रहा। जोरलान ज्यादातर जंगल में रहता था, इसलिए उसे ढूंढना और उन अपराधों से जोड़ना बहुत मुश्किल था जो शुरू में आपस में जुड़े हुए नहीं लग रहे थे।' गार्सिया ने बताया कि एक सार्वजनिक चौक पर 18 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या करने के बाद पुलिस को आखिरकार दा सिल्वा और अन्य अपराधों के बीच संबंध का पता चला। जांचकर्ता ने कहा कि सीरियल किलर का दावा है कि उसने केवल अपराधियों पर हमला किया है, लेकिन अब तक मिले सबूतों से पता चलता है कि ऐसा नहीं था। गार्सिया ने यह भी कहा कि दा सिल्वा ऐसे सबूत दे रहा है जिनसे पता चलता है कि उसने उन अपराधों से कहीं ज्यादा अपराध किए हैं जिनके लिए उस पर मुकदमा चल रहा है। हालांकि, उन्होंने आगे की जानकारी देने से इनकार कर दिया क्योंकि कुछ जांच अभी जारी हैं और कुछ मामलों को फिर से खोला जा रहा है। जांचकर्ता ने कहा कि पीड़ितों की पहचान और उनकी मौत से जुड़ी जानकारी गोपनीय रखी जा रही है ताकि अभियोजन पक्ष अपना काम कर सके। दा सिल्वा को सफेद धारियों वाली काली पोशाक, विग और नेल पॉलिश लगाए हुए पकड़ा गया।

अमेरिका: मीडिया संस्थानों से टकराव के बीच व्हाइट हाउस ने लॉन्च किया 'ट्रंप टीवी', क्या है पूरा मामला?

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने सोमवार को 'ट्रंप टीवी: द एसेंशियल्स स्टेशन' लॉन्च किया। यह 24/7 चलने वाला डिजिटल वीडियो स्ट्रीम है जिसमें प्रशासन की घोषणाएं, राष्ट्रपति के बयान और अन्य कंटेंट दिखाए जाएंगे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन को सीएनएन, एमएस नॉउ और पॉलिटिको की ओर से कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें व्हाइट हाउस से बाहर रखा गया था।

व्हाइट हाउस ने क्या बताया : व्हाइट हाउस ने कहा कि नई सर्विस प्रशासन के सबसे अहम पलों को एक जगह लाएगी। कंटेंट को रियल-टाइम में अपडेट किया जाएगा। इस स्ट्रीम को सोमवार शाम 7 बजे व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर लॉन्च किया गया।

क्या है पूरा मामला : यह कदम सीएनएन, एमएस नॉउ और पॉलिटिको की ओर से ट्रंप प्रशासन के खिलाफ एक फेडरल मुकदमा दायर करने के कुछ घंटों बाद उठाया गया, जिसमें उन्होंने व्हाइट हाउस में अपनी पहुंच बहाल करने की मांग की थी। इन संगठनों का तर्क है कि प्रशासन का उनके पत्रकारों के क्रेडेंशियल रद्द करने का फैसला उनके 'फर्स्ट अमेंडमेंट' (संविधान के पहले संशोधन) अधिकारों का उल्लंघन है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या किया था : ट्रंप ने इन तीनों मीडिया आउटलेट्स की कवरेज की आलोचना करने के बाद उन्हें व्हाइट हाउस आने से रोक दिया था। इन संगठनों के अनुसार, शनिवार को उनके पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया गया और उनके प्रेस क्रेडेंशियल जब्त कर लिए गए।

सीएनएन के समर्थन में उतरे ये संस्थान : बता दें कि सीएनएन को उसके निर्धारित टेलीविजन पूल कार्यों से भी हटा दिया गया था। सीएनएन को एक निर्धारित असाइनमेंट से हटाए जाने के बाद, एबीसी, सीबीएस, फॉक्स न्यूज और एनबीसी भी व्हाइट हाउस टेलीविजन पूल में अपनी भागीदारी रोकने के मामले में सीएनएन के साथ हो गए। आम तौर पर, टेलीविजन पूल ब्रॉडकास्टर्स और दूसरे समाचार संगठनों को राष्ट्रपति से जुड़े कार्यक्रमों की साझा वीडियो कवरेज उपलब्ध कराता है। पूल के बाधित होने के कारण, व्हाइट हाउस की अपनी वीडियो फीड राष्ट्रपति के कार्यक्रमों के फुटेज का एक प्रमुख स्रोत बन गई है। सोमवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन तीन संगठनों की कड़ी आलोचना की, जिन्होंने उनके प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। 'जैसा कि उम्मीद थी, फेक न्यूज सीएनएन, एमएस नॉउ और पॉलिटिको ने व्हाइट हाउस और आपके राष्ट्रपति, यानी मुझ तक पहुंचने के लिए मुकदमा किया है। उन्हें अपने पक्ष में एक बढ़िया जज मिला है। वही व्यक्ति जिसने जिम अकोस्टा के पक्ष में फैसला सुनाया था, जो अब लगता है कि धरती से ही गायब हो गए हैं।

जज का नाम टिम केली है। दुख की बात है कि उन्हें ट्रंप ने ही नियुक्त किया था। दूसरे शब्दों में, बिना किसी सवाल के और हमेशा की तरह, हम अपील करेंगे क्योंकि फेक न्यूज वाले लोग और पब्लिकेशन जो सिर्फ नकारात्मक बातें लिखते हैं जो अनजान सूत्रों के हवाले से झूठी और बदनाम करने वाली कहानियां लिखकर हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लंघन करते हैं। उन्हें दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऑफिस तक पहुचने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। बहरहाल, मेरा फर्ज है कि मैं अपने देश की सफलता और सुरक्षा के लिए लड़ूं। फेक न्यूज लोकतंत्र के लिए खतरा है। मैं यह पक्का करने के लिए हर जरूरी कदम उठाऊंगा कि अमेरिका तरक्की करे।'

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समन्वय का बनेगा सशक्त केंद्र : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पतंजलि वेलनेस योगग्राम, ग्राम औरंगाबाद, हरिद्वार में प्रथम पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् के उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने गुरुकुलम् के शुभारंभ पर योगगुरु स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण तथा समस्त पतंजलि परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का प्रमुख केंद्र है। देवभूमि में पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् का शुभारंभ भारत की गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक युग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि भारत की गुरुकुल परंपरा हजारों वर्षों से ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण का आधार रही है। गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ जीवन जीने की कला और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भी बोध कराया जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। यहां आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों का समन्वय विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में तेजी से बदलती दुनिया में गुरुकुल शिक्षा की प्रासंगिकता और बढ़ी है। आधुनिक ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन और संतुलित जीवन शैली की शिक्षा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने योग, आयुर्वेद, शिक्षा, अनुसंधान और जन–स्वास्थ्य के क्षेत्रों में निरंतर कार्य किया है। स्वामी रामदेव ने योग को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि आचार्य बालकृष्ण द्वारा आयुर्वेद के अध्ययन, शोध और प्रसार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को पर्यटन के साथ-साथ ज्ञान, योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। पतंजलि आयुर्वेद गुरुकुलम् जैसे शिक्षण संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण सहयोगी सिद्ध होंगे।

छात्रसंघ चुनाव : उत्तरकाशी में 21 नामांकन पत्र बिके

उत्तरकाशी/बड़कोट। छात्रसंघ चुनाव को लेकर उत्तरकाशी और बड़कोट में छात्र गतिविधियां तेज हो गई हैं। पीजी कॉलेज उत्तरकाशी में बुधवार को विभिन्न पदों के लिए नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। वहीं, स्व. राजेंद्र सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय बड़कोट में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए।

पीजी कॉलेज उत्तरकाशी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बचन लाल ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए तीन, उपाध्यक्ष के लिए चार, सचिव पद के लिए पांच, सह सचिव के लिए तीन, कोषाध्यक्ष के लिए दो और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद के लिए चार नामांकन पत्र बिके। इस तरह विभिन्न पदों के लिए कुल 21 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई।उधर, बड़कोट में एबीवीपी के नगर मंत्री ध्रुव टम्टा ने संगठन के कार्यकर्ताओं और पूर्व पदाधिकारियों की मौजूदगी में छात्रसंघ चुनाव सत्र 2026–27 के लिए अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा की। अध्यक्ष पद पर सौरभ, महासचिव पद पर आयुष मालियान, सह सचिव पद पर शीतल, कोषाध्यक्ष पद पर दिया राणा और विश्वविद्यालय प्रतिनिधि पद पर सिद्धांत रावत को प्रत्याशी बनाया गया है।

एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान के लिए देहरादून पहुंचे सोमेन देवनाथ

देहरादून, अपनी साइकिल से विश्व भ्रमण के दौरान 19 वर्षों में 7 महाद्वीपों के 191 देशों में 2 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने वाले मशहूर साइक्लिस्ट सोमेन देवनाथ ने बुधवार को पुलिस कार्यालय देहरादून में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिष्टाचार भेंट की। सोमेन देवनाथ 27 मई 2004 को साइकिल के माध्यम से विश्व स्तर पर एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यात्रा पर निकले थे। पुलिस के अनुसार, अपने विश्व भ्रमण के दौरान उन्होंने विभिन्न देशों में पहुंचकर करीब 2 करोड़ लोगों को एचआईवी/एड्स के संबंध में जागरूक किया।

वर्तमान में सोमेन देवनाथ ह्वरीयूनियन भारत, वन ट्री अभियान के तहत भारत भ्रमण पर हैं। यह यात्रा 27 मई 2026 से 27 मई 2027 तक प्रस्तावित है, जिसके दौरान वे देश के 28 राज्यों और 5 केंद्रशासित प्रदेशों में जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

त्योहारों में दुकानों में छापा मारने का विरोध किया

कर्णप्रयाग। आगामी शादियों, धनतेरस और दीपावली के त्योहारी सीजन के बीच जीएसटी विभाग की बढ़ती सक्रियता और सर्वे, छापा मारने की कार्रवाई से चमोली जिले के व्यापारी आक्रोशित हैं। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने त्योहारी सीजन पर छापामारी का विरोध किया। उन्होंने इस कार्रवाई को मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न बताते हुए इसे तुरंत रोकने की मांग उठाई(नगर व्यापार मंडल के नेतृत्व में जिला व्यापार मंडल के प्रतिनिधि एवं अन्य व्यापारियों ने एसडीएम अलकेश नौडियाल के माध्यम से डीएम चमोली को ज्ञापन भेजा। नगर अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह मिंगवाल और महामंत्री कांति पुजारी ने कहा कि यदि त्योहारी सीजन के दौरान छापामारी पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो चमोली जिले के सभी 52 संगठनात्मक नगर व ग्रामीण निकायों के पदाधिकारी जीएसटी कमिश्नर कार्यालय का घेराव करेंगे। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद मैखुरी, संजय लखेड़ा, सुबोध डिमरी, सतेंद्र डिमरी, अमित मैखुरी आदि शामिल थे।

दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण में तेजी लाएं अधिकारी: डीएम

देहरादून, दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त सरकारी परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुनर्निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित ऋषिपर्णा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने ब्लॉक, तहसील और विभिन्न विभागों से प्राप्त आपदा से संबंधित पुनर्निर्माण प्रस्तावों की समीक्षा की।

एसडीआरएफ मानकों के अनुरूप प्रस्तावों पर तुरंत जारी हो बजट

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा में क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण के प्रस्तावों की प्राथमिकता के आधार पर जांच की जाए। उन्होंने कहा कि जो आगणन स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड (एसडीआरएफ) के निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए जाते हैं, उनके लिए तत्काल धनराशि जारी कर पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराए जाएं। डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि पुनर्निर्माण कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और स्वीकृत धनराशि का उपयोग निर्धारित मानकों के अनुसार समयबद्ध तरीके से किया जाए।

गलत आकलनों पर अधिकारियों को फटकार

बैठक के दौरान कुछ विभागों की ओर से प्रस्तुत प्रस्तावों में कमियां पाए जाने और कुछ आगणन एसडीआरएफ के मानकों के अनुरूप नहीं मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई।

उन्होंने संबंधित खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) को निर्देश दिए कि वे अपने स्तर पर आगणनों की दोबारा जांच कराएं और आवश्यक संशोधन के बाद सही प्रस्ताव जल्द प्रस्तुत करें, ताकि पात्र प्रस्तावों पर बजट जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सके।जिलाधिकारी ने सख्त हिदायत दी कि संबंधित विभागीय अधिकारी प्रस्तुत किए जा रहे आंकड़ों और आगणनों की पूरी तरह जांच सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

कार और बाइक की टक्कर, बाइक सवार की मौत

चोपता। रुद्रप्रयाग–पोखरी मार्ग पर सत्तेराखाल से करीब चार किलोमीटर पीछे मायकोटी डाट पुल के समीप बुधवार सुबह कार और बाइक की आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार ने मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान शिव लाल (55) निवासी ग्राम मल्या गांव बोरा, रुद्रप्रयाग के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शिव लाल विकास भवन रुद्रप्रयाग में चालक के पद पर कार्यरत थे और ड्यूटी के लिए रुद्रप्रयाग जा रहे थे। वहीं कार नागनाथ पोखरी की ओर जा रही थी। इसी बीच मायकोटी डाटपुल के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई और बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर दुर्घटना के कारणों को जानकारी जुटा रही है। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि शव जिला अस्पताल लाया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

नर्सिंग इंटर्न छात्र–छात्राओं ने की स्टाइपेंट की मांग

गोपेश्वर। नर्सिंग कॉलेजों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं ने अनिवार्य इंटर्नशिप के दौरान स्टाइपेंड देने की मांग उठाई। मांग के लिए प्रदेशभर के नर्सिंग कॉलेजों के छात्र–छात्राएं एकजुट हो रहे हैं। छात्र–छात्राओं का कहना है कि नर्सिंग पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद उन्हें अस्पतालों में अनिवार्य इंटर्नशिप करनी होती है।

इस दौरान वे मरीजों की देखभाल के साथ ही अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं में नियमित रूप से जिम्मेदारियां निभाते हैं। इसके बावजूद इंटर्नशिप अवधि में उन्हें किसी तरह का स्टाइपेंड या मानदेय नहीं दिया जाता है। गोपेश्वर, पौड़ी, चंपावत, टिहरी सहित प्रदेश के अन्य नर्सिंग कॉलेजों के छात्र–छात्राएं इस मांग के लिए लामबंद हो रहे हैं। उनका कहना है कि इंटर्नशिप के दौरान उनसे नियमित रूप से सेवाएं ली जाती हैं। इसलिए उन्हें निर्धारित मानदेय दिया जाना चाहिए। छात्र–छात्राओं ने सरकार से इस संबंध में जल्द निर्णय लेने की मांग की।

राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वहन करें

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में एनएसएस इकाई की ओर से राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कॉलेज सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने लोकगीत और लोकनृत्य की प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने कहा कि स्वयंसेवकों को एनएसएस से निस्वार्थ भाव से जुड़कर समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वह्न करना चाहिए। लोकनृत्य प्रतियोगिता में नवनीत, लक्ष्मण और तन्वी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोकगीत प्रतियोगिता में निधि, जसवंत और अंकित क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला एनएसएस समन्वयक जगदीश टम्टा, समाज कल्याण अधिकारी धनंजय सिंह लिंगवाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विधि ढौंडियाल सहित महाविद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे।

तलवाड़ी कॉलेज और बिलीवर फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता

थराली। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आलम सिंह फर्स्वाण राजकीय महाविद्यालय तलवाड़ी और बिलीवर फाउंडेशन के बीच एक समझौता हुआ है। इस समझौते का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्राचार्य डॉ. सेराज मोहम्मद और फाउंडेशन की अध्यक्ष कंचन रावत ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। डॉ. सेराज मोहम्मद ने बताया कि महाविद्यालय में 15 अक्तूबर से 15 जनवरी 2027 के बीच कई व्यावसायिक प्रशिक्षण होंगे। कंचन रावत ने विद्यार्थियों से इन कौशल विकास कार्यक्रमों में भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर अभिभावक–शिक्षक संघ अध्यक्ष विवेक रावत और कनिष्ठ प्रमुख राजेश चौहान आदि उपस्थित रहे।

9 माह का कठोर प्रशिक्षण पूरा कर 15 आरक्षी पुलिस की मुख्यधारा में शामिल

देहरादून, पुलिस लाइन देहरादून में बुधवार को 09 माह का गहन प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 15 प्रशिक्षु आरक्षियों की पासिंग आउट सेरेमनी आयोजित की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी आरक्षियों का उत्साहवर्धन किया। इन प्रशिक्षु आरक्षियों का प्रशिक्षण 17 नवंबर 2025 से शुरू हुआ था। नौ माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद सभी प्रशिक्षु पुलिस की मुख्यधारा में शामिल हुए। इस अवसर पर एसएसपी देहरादून ने उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

कानून से लेकर शस्त्र और फील्ड प्रशिक्षण तक मिली जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान आरक्षियों को अंतःकक्ष प्रशिक्षण के तहत भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, विभिन्न अधिनियम, भारतीय संविधान, पुलिस एवं समाज, मानव व्यवहार एवं मनोविज्ञान, व्यक्तित्व विकास, अपराध शास्त्र, थाना अभिलेख, पुलिस संगठन एवं प्रशासन तथा पुलिस रेगुलेशन सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई।

वहीं बाह्य कक्ष प्रशिक्षण में पदादि प्रशिक्षण, शस्त्र प्रशिक्षण, फील्ड क्राफ्ट, पुलिस प्रशिक्षण, पीटी/पीई, योग एवं यूएसी आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अंजुम निशा और फैज आलम का उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रशिक्षण के दौरान रिक्रूट महिला आरक्षी अन्जुम निशा ने अंतःकक्ष परीक्षाओं में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं रिक्रूट आरक्षी फैज आलम ने बाह्य कक्ष परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।फैज आलम को पूरे प्रशिक्षण के दौरान सर्वांग सर्वोत्तम कैडेट चुना गया। इसके साथ ही उन्हें परेड कमांडर की जिम्मेदारी भी दी गई।

प्रशिक्षण एवं परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षियों को एसएसपी देहरादून ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन करते हुए पीठ थपथपाई।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, समस्त आरटीसी स्टाफ, प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आरक्षियों के परिजन एवं अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

वृक्ष क्षतिपूर्ति नीति और विशेष बीमा योजना लागू करने की मांग

पुरोला। प्राकृतिक आपदाओं से सेब बागवानों को हो रहे नुकसान को देखते हुए विकासखंड मोरी के कनिष्ठ उप प्रमुख कमलेश रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजा है। उन्होंने नष्ट हुए सेब के पेड़ों का उचित मुआवजा देने और विशेष बीमा नीति लागू करने की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी समेत उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में हर वर्ष असमय बर्फबारी, ओलावृष्टि, अतिवृष्टि और भूस्खलन से सेब बागवानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। प्राकृतिक आपदाओं में कई बार केवल फसल ही नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और आर्थिक निवेश से तैयार पूरे पेड़ नष्ट हो जाते हैं। ऐसे में बागवानों को दोबारा बाग तैयार करने में लंबा समय और अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। कमलेश रावत ने मांग की कि प्राकृतिक आपदा में नष्ट होने वाले सेब के पेड़ों के लिए वृक्ष क्षतिपूर्ति नीति बनाई जाए। इसके तहत प्रत्येक नष्ट पेड़ के आधार पर उचित मुआवजा निर्धारित किया जाए।

29 सितंबर को देहरादून में रोजगार मेला

देहरादून, कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, देहरादून की ओर से 29 सितंबर 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा। मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी ममता चौहान नेगी ने बताया कि रोजगार मेले में करीब 18 निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी और विभिन्न पदों पर कुल 904 रिक्तियों के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। देहरादून के साथ ही प्रदेश के अन्य जनपदों के बेरोजगार युवा भी रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में प्री–रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते अपना पंजीकरण करा सकते हैं। रोजगार मेले के दिन भी पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

ये दस्तावेज साथ लाना जरूरी

रोजगार मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपना बायोडाटा, मूल शैक्षणिक एवं अन्य प्रमाण–पत्र, प्रमाण–पत्रों की छायाप्रतियां, सेवायोजन कार्यालय का पंजीयन कार्ड तथा वैध पहचान पत्र साथ लाना होगा।

चकराता के मोहना में सेवा सेतु शिविर

चकराता/देहरादून, चकराता विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहना में बुधवार को सेवा सेतु अभियान के तहत एक दिवसीय बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 645 से अधिक ग्रामीणों ने प्रतिभाग कर केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेने के साथ विभागीय सेवाओं का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनजाति परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री स्तर के गीताराम गौड़ तथा चकराता की ब्लॉक प्रमुख आशा वर्मा ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ पत्र एवं प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

शिविर में ग्रामीणों की ओर से 12 जनसमस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिनमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं, शेष एक शिकायत के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

इसके अलावा शिविर में आय, जाति, खाता–खतौनी और सामाजिक पेंशन से संबंधित सेवाओं के तहत 99 पात्र व्यक्तियों के प्रमाण पत्र मौके पर ही जारी किए गए।

अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गीताराम गौड़ ने कहा कि प्रदेशभर में 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत आशीर्वाद का दिया, मेरे सपनों का भारत, ह्यसेवा ज्योति कलश यात्रा और सुशासन सेवा संवाद सहित विभिन्न जनहितैषी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

विकसित उत्तराखंड@2047 के विजन पर देहरादून में मंथन

देहरादून। उत्तराखंड को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के उद्देश्य से मंगलवार, 22 सितंबर 2026 को होटल रमाडा, चकराता रोड, देहरादून में आयोजन किया गया। उत्तराखंड सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी एंड गुड गवर्नेंस के संयुक्त आयोजन में राज्य के विकास की दीर्घकालिक दिशा, चुनौतियों और संभावनाओं पर विशेषज्ञों, अधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने मंथन किया। कॉन्क्लेव में एमडीडीए, उत्तराखंड टूरिज्म, एचआरडीए, ब्रिडकुल और आईटीडीए सहित विभिन्न संस्थाओं ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में राज्य के समावेशी, सतत, सुदृढ़ एवं समृद्ध विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक रणनीतियों पर विचार–विमर्श किया गया।

अधिक औसत आय, मजबूत अर्थव्यवस्था और बेहतर जीवन गुणवत्ता जरूरी

प्रमुख सचिव नियोजन डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि विकसित उत्तराखंड के विजन में राज्य की वर्तमान स्थिति, क्षमताओं, चुनौतियों और भविष्य की प्राथमिकताओं को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित राज्य की सामान्य समझ में अधिक औसत आय, मजबूत अर्थव्यवस्था और नागरिकों के जीवन की उच्च गुणवत्ता शामिल है। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तराखंड के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जनसांख्यिकीय लाभांश का बेहतर उपयोग, जीएसडीपी में प्राथमिक क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, युवाओं को रोजगार योग्य कौशल उपलब्ध कराना, पर्वतीय क्षेत्रों का विकास तथा कृषि को कम मूल्य वाली गतिविधियों से निकालकर उच्च मूल्य, बाजार आधारित, निर्यात एवं प्रसंस्करण आधारित कृषि की ओर ले जाना आवश्यक है।

विकास का अंतिम लक्ष्य लोगों की खुशी हो: योगेंद्र नारायण

पूर्व रक्षा सचिव भारत सरकार डॉ. योगेंद्र नारायण ने ऑनलाइन माध्यम से कॉन्क्लेव को संबोधित किया। उन्होंने उत्तराखंड की विरासत, संस्कृति, पर्यटन, शिक्षा और सामाजिक जवाबदेही को विकास की रणनीति से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य की विकास योजनाओं में सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत संरक्षण को अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

इचिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता।

साक्षी ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

निशियो । कॉमनवेल्थ गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता साक्षी चौधरी ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के शुरुआती राउंड में पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता विनर आइरा विलेगास को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

चौधरी ने निशियो जिमनैजियम में अपने एशियन गेम्स डेब्यू में शानदार परफॉर्मेंस देते हुए फिलिपिनो बॉक्सर को 5-0 के एकमत फैसले से हराया। उन्होंने 10-9 के स्कोर के साथ तीनों राउंड एकमत से जीते और दोनों में से बेहतर बॉक्सर थीं। उनके सटीक पंच पेरिस की कांस्य पदक विजेता के लिए संभालना मुश्किल था।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडलिस्ट अब प्री-क्वार्टर में पहुंच गई हैं। गुरुवार को उनका मुकाबला मौजूदा 51 किग्रा वर्ल्ड चैंपियन अलुआ बाल्किबेकोवा से होगा।

साक्षी पहले से ही एक मशहूर बॉक्सर हैं और उन्होंने इस खेल की कुछ बड़ी मुक्केबाजों को हराया है। उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल्स में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को हराया। उन्होंने ट्रायल्स के सेमीफाइनल में निकहत को हराया, जबकि फाइनल में चैंपियन हुड्डा को हराया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में साक्षी ने फाइनल में इंग्लैंड की रूबी व्हाइट को 5-0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। एक सफल कॉमनवेल्थ के बाद, साक्षी ने एशियाड पर अपनी नजरें टिकाए रखीं।

साक्षी ने कहा था, 'कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।

संक्षिप्त समाचार

रोशिबिना देवी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

एशियन गेम्स में लगातार तीसरा वुशु मेडल पक्का

नागोया । भारत की रोशिबिना देवी ने महिलाओं के 60 किग्रा वुशु क्वार्टर फाइनल में मकाऊ, चीन की चू मैन सिन को 5-0 से शिकस्त दी। मंगलवार को आइची प्रीफेक्चरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इस जीत के साथ रोशिबिना ने एशियन गेम्स में अपना तीसरा मेडल सुनिश्चित कर लिया है। 2018 और 2022 एशियन गेम्स की मेडलिस्ट रोशिबिना ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा

कॉन्टिनेंटल मेडल पक्का कर लिया है। उन्होंने प्वाइंट्स के अंतर से मैच 5-0 से अपने नाम करते हुए बुधवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाई। रोशिबिना ने इससे पहले सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में बांग्लादेश की शिखा खातून को मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। मौजूदा एशियन गेम्स में वुशु में भारत का यह पहला पक्का मेडल है। रोशिबिना एशियन गेम्स 2023 में सिल्वर मेडलिस्ट रह चुकी हैं, जब वह सांडा 60 किग्रा कैटेगरी में दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने 2018 जकार्ता खेलों में भी इसी वेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा, भारत के आर्यन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं, जो अब मेडल के लिए मुकाबला करेंगे। आर्यन ने पुरुषों के 56 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल में अफगानिस्तान के साफी शहजादा को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

नेपाली मुक्केबाज को 5-0 से हराकर

जदुमणि सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह ने पुरुषों के 55 किग्रा प्रिलिमिनरी राउंड में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को शिकस्त दी। इसी के साथ जदुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सिल्वर मेडलिस्ट ने यह बाउट निशियो जिम्नेजियम में जीती। जदुमणि ने शानदार मुकाबला करते हुए थापा पर 5-0 से सर्वसम्मत जीत हासिल की। ??जदुमणि ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट के खिलाफ धीमी

शुरुआत की, लेकिन मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और तीनों राउंड में सटीक पंच से जजों को प्रभावित किया। शुरुआती दो राउंड जीतने के बाद जदुमणि ने अपना दबदबा बनाए रखा और तीसरे राउंड में एक लेफ्ट हुक लगाया, जिससे थापा को 'स्टैंडिंग काउंट' का सामना करना पड़ा। भारतीय बॉक्सर ने तीसरा राउंड भी जीता और तीन 30-27 और दो 29-28 स्कोरकार्ड के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया।

जदुमणि अब शनिवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के बॉक्सर कार्लो पालाम से भिड़ेंगे, जो 2020 टोक्यो ओलंपिक गेम्स के सिल्वर मेडलिस्ट हैं।

एशियन गेम्स वेटलिफ्टिंग

खत्म हुआ 28 साल का सूखा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूखा भी खत्म कर दिया है।

साल 2014 में वह 9वें स्थान पर रही थीं। वहीं, जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई चोट के चलते हिस्सा नहीं ले सकी थीं। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था, लेकिन वह चौथे स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम का कमाल, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भवतेघ सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नारुका और मैराज अहमद खान की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। भारतीय स्कीट टीम ने फाइनल में कुल 346 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। कुवैत ने 348 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि कतर की टीम 353

स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अनंतजीत ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भारत की महिला स्कीट टीम ने भी देश को इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। परिनाज धालीवाल, रजिया ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने कुल 331 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, शूटिंग में भारत की उम्मीदों को उस समय करारा झटका लगा, जब मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूक गईं। मनु 181.1 के स्कोर के साथ फाइनल मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहीं। मनु अपने प्रदर्शन से खुद निराश नजर आईं। इसके साथ ही 10 मीटर एयर पिस्टल के टीम इवेंट में भी मनु, ईशा और सुरुचि की तिकड़ी मेडल जीतने से मामूली अंतर से चूक गई। भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही।

जय मीणा ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होने पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस में भारत के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा, जहां वे कुरोसाका से हार गए और ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर खत्म किया। सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर एक दिलचस्प संयोग से शुरू हुआ। शुरुआत में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वे क्रिकेटर बनना चाहते थे।

पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। मीणा ने क्वार्टर फाइनल में शेरविन नुगुइट के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी करते हुए लगातार चार प्वाइंट जीते और क्वार्टर फाइनल 4-3 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई,

मगर जब उन्होंने देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया, तो वहां बने सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका ध्यान खींचा। पहले वे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते थे और बाद में बॉल बॉय के रूप में मदद करने लगे।

धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी सॉफ्ट टेनिस में बढ़ी और उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू कर दिया। स्कूल और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरुआत करने के बाद वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।

भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी

ईरान को 37-23 से हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने कड़े मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराते हुए टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

भारत और ईरान के बीच पहले हाफ में खासतौर पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान ने मुकाबले में शुरुआती बढ़त बनाई। 10-6 के स्कोर पर भारतीय टीम ऑलआउट होने की दहलीज पर थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पूजा ने बेहतरीन रेड करते हुए दो प्वाइंट अर्जित किए। पूजा की यह रेड मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और इसके बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की। जल्द ही भारतीय टीम ने स्कोर को 11-11 से बराबर कर दिया। हाफ टाइम का अंत होने तक भारत ने 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ईरान के डिफेंस पर पूरी तरह से हावी नजर आई। हालांकि, ईरान के रेडर ऐनाज जोब्रान की तीन प्वाइंट की सुपर रेड ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया।

दबाव में भारतीय डिफेंस और रेडर्स ने कमाल का संयम दिखाया।

व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूकीं राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिला स्कीट टीम स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालीं भारतीय शूटर राइजा ढिल्लों और परिनाज धालीवाल व्यक्तिगत स्पर्धा में देश के लिए मेडल लाने से चूक गईं। राइजा चौथे स्थान पर रहीं जबकि परिनाज ने

आठवां स्थान हासिल किया। तीन दिनों के क्वालिफिकेशन राउंड के बाद राइजा और परिनाज ने 125 में से 111 शॉट लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्रमशः आठवें और नौवें स्थान पर रहीं। हालांकि भारतीय जोड़ी फाइनल में कोई खास असर नहीं दिखा पाई और नतीजतन व्यक्तिगत इवेंट से खाली हाथ लौटीं। टीम इवेंट में परिनाज, राइजा और माहेश्वरी ने क्वालिफिकेशन में कुल 331 का स्कोर किया और पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत की उम्मीदों को लगा करारा झटका

मेडल से चूकीं मनु भाकर, फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं

नागोया । दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शूटर मनु भाकर को एशियन गेम्स में निराशा हाथ लगी है। वह महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में पोडियम तक नहीं पहुंच सकीं और बुधवार को फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। वहीं, साउथ कोरिया की गाउन चू ने 246.3 के स्कोर के साथ एशियाई रिकॉर्ड और गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता।

चीन की यियाओ शेन (241.3) और रैनक्सिन जियांग (221.6) ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पोडियम पर अपनी जगह बनाई। मनु क्वालिफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर (जिसमें 20 'इनर 10' शामिल थे) के साथ तीसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत फाइनल में पहुंची थीं। आठ महिलाओं के फाइनल में उन्होंने 181.1 का स्कोर किया। टीम मेडल से बहुत कम अंतर से चूकने के बाद, महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारत को कोई मेडल

नहीं मिला। अब मनु अपना ध्यान 25 मीटर पिस्टल इवेंट पर लगाएंगी, जहां वह ईशा और 2018 एशियन गेम्स की चैंपियन राही सरनोबत के साथ शामिल होंगी।